RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमत्रण

आध्यात्म की नई उड़ान

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

14 खुशियां आपका इंतजार कर रहीं हैं...

05 रसिया, यूक्रेन, क्रीमिया के कलाकारों ने प्रस्तुतियों से...

वर्ष-10, अंक-04, हिन्दी (मासिक), अप्रैल 2023, पृष्ठ 16, मूल्य: 12:50 रु.

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से चलाए गए आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान ने तोड़े सारे रिकार्ड

तपस्वियों की सेवा साधना

विश्वभर में 55 हजार कार्यक्रम

आबू रोड/राजस्थान।

सेवा अस्माकं धर्म: की पृष्ठभूमि, सर्वे भवंतु सुखिन: की भावना और वसुधैव कुटुम्बकम् की नींव पर आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर महा अभियान की संकल्पना को आकार दिया गया। स्वर्णिम भारत की छवि को धरातल पर साकार करने के लिए 15 लाख से अधिक राजयोगी भाई-बहनों ने अमृत काल के इस महायज्ञ में स्वयं को झोंक दिया। महाअभियान के तहत 15 हजार कार्यक्रम के लक्ष्य के साथ आगे बढ़े थे लेकिन तपस्वियों के अपार उत्साह के परिणामस्वरूप एक साल में 55 हजार से अधिक कार्यक्रम कर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 जनवरी 2022 को अभियान का वर्चुअली शुभारंभ किया। समापन पर अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में ग्लोबल समिट आयोजित की गई। इसमें विश्वभर से जानी-मानीं शख्सियतों ने भाग लिया।

2.5 करोड़ लोगों तक पहुंचाया देशभक्ति और आध्यात्म का संदेश

15 लाख से अधिक बीके भाई-बहनों ने सेवा में बढ़ाए हाथ

55 हजार से अधिक रिकार्ड कार्यक्रम आयोजित

05 हजार ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र के बैनर तले हुए आयोजन

15 हजार कार्यक्रम देशभर में करने का रखा था लक्ष्य

30 से अधिक देशव्यापी अभियान देशभर में चलाए गए

20 प्रभागों के तहत अभियान का लक्ष्य किया साकार

20 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री ने किया था वर्जुअल शुभारंभ

31 दिसंबर 2022 को किया गया समापन

07 अभियानों को प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर किया था रवाना

देशव्यापी अभियान का मकसद

- लोगों में देशप्रेम की भावना का जागरण करना।
- मेरा भारत, स्वर्णिम भारत, सशक्त भारत का संदेश।
- भावी पीढ़ी और राष्ट्र निर्माण।
- युवाओं में चरित्र निर्माण।
- खुशहाल, संपन्न अन्नदाता।
- युवाओं को नशामुक्ति का संदेश देना।
- मेरा भारत-भ्रष्टाचारमुक्त, अपराधमुक्त भारत।
- सांप्रदायिक एकता, सौहार्द्र और शांति का संदेश देना।
- नैतिक मूल्यों का विकास और सकारात्मक प्रेरणा।
- पर्यावरण संरक्षण को लेकर जन-जागरुकता फैलाना।
- बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश देना।
- सुरक्षा बलों के बलिदान को नमन, जवानों का सम्मान
- मेरा भारत, स्वस्थ भारत
- स्वर्णिम भारत के लिए नई शिक्षा

महा अभियान ने ऐसे बनाया कीर्तिमान

कार्यक्रम	श्रेणी	लाभार्थी
12010	महाशिवरात्रि	12,05000
7,423	फेस्टीवल सेलीब्रेशन	2,698,855
4,452	जागरूकता सत्र	1,883,250
4,212	अभियान	1,626,782
2,481	समाज सेवा	985,749
2,018	ध्यान सत्र	968,109
1,920	स्नेह मिलन	258,973
1,984	पर्यावरण संबंधी	2,851,252
1,586	पब्लिक कार्यक्रम	1,791,054
1,294	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3,301,594
1,457	स्प्रीचुअल क्लास	284,193
1,206	बच्चों के कार्यक्रम	315,436
1,241	पौधारोपण कार्यक्रम	171,654
1,123	सम्मान समारोह	239,641
1,056	संगोष्ठी	895,336
1,077	राजयोग कार्यक्रम	266,869
1,105	योग भट्टी	294,268
1,070	कॉन्फ्रेंस	1,594,583
1,264	टॉक शो	226,812
1,029	नशामुक्त प्रदर्शनी	2,131,774
850	जागरुकता रैली	622,095
618	यौगिक कृषि	56,995
649	स्मृति दिवस	319,212
259	विभिन्न प्रतियोगिता	47,970
334	कार्यशाला	52,697
271	संवाद सत्र	94,193
287	स्वास्थ्य शिविर	60,137
221	वेबिनार	63,478
217	अभियान उद्घाटन समारोह	113,385
188	बीके प्रशिक्षण	62,252
108	रिट्रीट	24,196
77	यौगिक गार्डनिंग	6,795
74	सामान्य कार्यक्रम	18,369
56	खेल	11,973
49	रक्तदान शिविर	39,631
30	प्रेस कॉन्फ्रेंस	28,515
27	टीवी शो	82,612
25	समर्पण समारोह	120,568
10	बेस्ट टू बेस्ट एक्टीविटीज	1,488
60	स्वच्छता अभियान	12,471
34	डिबेट	10,122
09	रेडियो शो	1,510
55461	कुल कार्यक्रम	2,37, 26128

आध्यात्म का नारा लेकर पहुंचे घर-घर

अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग को कवर किया गया। युवा से लेकर बुजुर्ग, महिला, किसान, व्यापारी, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद् और मीडियाकर्मी सभी वर्ग के लोगों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्म और देशभक्ति का संदेश सभा, सम्मेलन, कॉन्फ्रेंस, रैली और अभियानों के माध्यम से दिया गया।

कल्पतरुह महाअभियानः पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ की अभिनव पहल

16 लाख लोगों ने रोपे 16 लाख पौधे

आबू रोड/राजस्थान। मां प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। जन्म से लेकर मृत्यु तक मां प्रकृति हमें देतीं हैं। क्योंकि उनका काम है देना और सिर्फ देना। ऐसे में हमारा भी फर्ज बनता है कि हम भी मां प्रकृति के संरक्षण के लिए अपना हाथ बढ़ाएं...चलो आज एक पौधा लगाएं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए ब्रह्माकुमारीज़ ने अभिनव पहल की। कल्पतरुह पौधारोपण महाअभियान के माध्यम से देशभर में 1602000 लाख पौधे लगाए गए। इस अभिनव पहल की शुरुआत पर्यावरण दिवस के 50 साल पूरे होने पर 5 जून 2022 से की गई। 75 दिन चले अभियान का समापन 25 अगस्त को संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस पर की गई।

यहां चलाया गया अभियान

कल्पतरुह अभियान ब्रह्माकुमारीज़ के देश-विदेश में स्थित पांच हजार सेवाकेंद्रों और 50 हजार गीतापाठशालाओं, रिट्रीट सेंटर, मेडिटेशन सेंटर के माध्यम से चलाया गया। इसमें समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए संस्थान से जुड़े लाखों भाई-बहनों ने अपनी सहभागिता निभाई। अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज़ के परिसर, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, सरकारी कार्यालय, नगर निगम, नगर परिषद, सामूहिक पार्क, ग्राम पंचायत, मंदिर, मैदान, खेत आदि स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

प्रत्येक पौधे का 75 दिन तक रखा गया ख्याल

कल्पतरुह अभियान के तहत रोपे गए पौधे को संबंधित भाई-बहनों ने 75 दिन तक रोज उसका ख्याल रखा। उसे पानी-खाद देकर संभाल की। सबसे बड़ी बात अभियान के तहत लगाए गए प्रत्येक पौधे का पूरा रिकार्ड और मॉनिटरिंग एप के माध्यम से रखी गई। पौधारोपण के बाद एप पर उसकी फोटो अपलोड की गई।

आंध्रप्रदेश: 1 लाख विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण

आंध्र प्रदेश सरकार के सामुदायिक शिक्षा विकास बोर्ड और ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से प्रदेश के अलग-अलग विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूलों में पौधारोपण किया गया। अभियान में एक हजार कॉलेज के एक लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एप से की गई पौधों की मॉनिटरिंग, विश्व के 30 देशों में अभियान के तरह बीके भाई-बहनों ने रोपे पौधे

1602000 लाख पौधे लगाए गए

- **16** लाख लोगों ने निभाई सहभागिता
- **3530** स्थानों से चलाया गया अभियान
- **60** तरह के पेड़-पौधे रोपित किए गए
- **05** जून 2022 से की गई शुरुआत
- **25** अगस्त 2022 को हुआ समापन
- **5000** सेवाकेंद्रों पर चला अभियान
- **30** देशों में भी चलाया गया अभियान
- **75** दिन चलाया गया अभियान
- **50** हजार ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला भी बनीं सहयोगी

75 दिन तक देश-विदेश के हजारों सेवाकेंद्रों पर कल्पतरुह अभियान जिस लगन, उत्साह और समर्पण भाव से चलाया गया वह अपने आप में मिसाल और एक नया कीर्तिमान है। यदि हमें प्रकृति, पर्यावरण को बचाना है तो प्रत्येक व्यक्ति को साल में कम से कम एक पौधा रोपने और उसके संरक्षण का संकल्प लेना होगा। यह समय की जरूरत है।

- राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका और कल्पतरुह अभियान के निदेशिका, ब्रह्माकुमारीज़

ब्रह्माकुमारी संस्थान ने केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ किया एमओयू साइन

युवाओं में नशामुक्ति को लेकर अलख जगाएगी ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

नशामुक्ति का संदेश लेकर नए सिरे से ब्रह्माकुमार भाई-बहनें युवाओं के बीच पहुंचेंगे। साथ ही स्कूल से लेकर कॉलेज, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और सामाजिक संस्थानओं में लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में सेमीनार, मोटिवेशनल वर्कशॉप के जरिए जागरूक करेंगे। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ब्रह्माकुमारी संस्थान और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के बीच एमओयू साइन किया गया है। नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ में आयोजित समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बीके बनारसीलाल विशेष रूप से मौजूद रहे।

समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ की की ओर से बीके आशा दीदी को मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान अब एक जन आंदोलन बन गया है। नशे की समस्या को हल करने के लिए अब सामूहिक और समुदाय आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस अभियान में आध्यात्मिक गुरुओं की भागीदारी से न केवल इस मिशन की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से नशे से दूरी बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। बात दें कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल विंग द्वारा पिछले 30 साल से अपने देशभर के पांच हजार सेवाकेंद्रों के माध्यम से नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज लाखों लोग नशामुक्त होकर आध्यात्मिक जीवनशैली के साथ जी रहे हैं। हजारों परिवारों में खुशियां लौटी हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संस्थान के ब्रह्माकुमार भाई-बहनें करेंगे जागरूक

आध्यात्मिक जागृति से नशामुक्ति संभव...

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने कहा कि भारत को विश्व का सर्वोच्च नेता बनाने के लिए नशा मुक्त समाज बनाना होगा। नशा मुक्त भारत अभियान में ब्रह्माकुमारीज़ जैसे आध्यात्मिक संगठन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि देश के लोगों को नशा मुक्त जीवन जीने में सहायता करने में संस्थान पूरी तरह समर्पित है। नशामुक्ति केवल आत्मनिरीक्षण, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जागृति से ही संभव होगी।

तीन लाख से अधिक शिक्षण संस्थान जुड़े

- भारत सरकार का सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई), मादक पदार्थों की मांग को कम के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) लागू कर रहा है। इसके तहत राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके तहत स्व सहायता समूह, एकीकृत पुनर्वास केंद्र, सरकारी अस्पतालों और जिला नशामुक्ति केंद्र में समुदाय आधारित व्यसन उपचार सुविधाएं चलाईं जा रही हैं।
- नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्तमान में देश के 372 जिलों में चल रहा है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय परिसरों, विद्यालयों और समुदाय में पहुंचना तथा समुदाय की भागीदारी और अभियान का स्वामित्व प्राप्त करना है। अभियान की पहुंच अब तक 9.50 करोड़ से अधिक लोगों तक हो चुकी है, जिनमें 3.10 करोड़ से अधिक युवा, 2.05 करोड़ से अधिक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शामिल हैं। नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए 3 लाख से अधिक शिक्षण संस्थान इस अभियान में शामिल हो चुके हैं।

शख्सियत

दुनिया में योग बहुत हैं, लेकिन आत्मा-परमात्मा का ज्ञान सिर्फ राजयोग में सिखाया जाता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। हम देखते हैं कि दुनिया में बहुत सी संस्थाएं हैं। किसी में शारीरिक योग, प्राणायाम सिखाया जाता है। कहीं सांसों पर ध्यान केंद्रित करना तो कहीं मन को एकाग्र करने की विधि सिखाई जाती है। लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ ही एकमात्र ऐसी संस्था है जहां राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से आत्मा का परमात्मा से संबंध कैसे जोड़े, परमात्मा से मंगल मिलन कैसे मनाएं सिखाया जाता है। बाकी के अन्य योग में हम भगवान, ईश्वर से नहीं जुड़ सकते हैं। यह कहना है पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) एवं वर्तमान में स्टेट इन्फॉर्मेशन कमिश्नर वीरेंद्र जी का। 29 अगस्त 1961 को जन्मे वीरेंद्र जी ने एमबीए और इंजीनियरिंग किया है। 1985 बैच के आईपीएस अफसर रहे हैं। अगस्त 2021 में प. बंगाल के डीजीपी के पद से रिटायर हुए हैं। 2015 से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रहे पूर्व डीजीपी वीरेंद्र ने अपने राजयोग से जुड़े अनुभवों को शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में सांझा किया। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश...

पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी बोले- ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से बदल जाता है सोचने का नजरिया, जीवन का उद्देश्य हो खुश रहना और खुशी बांटना

पीस ऑफ माइंड देखते-देखते आध्यात्म की ओर बढ़ा रुझान

पूर्व डीजीपी ने बताया कि वर्ष 2013 में एक दिन चैनल बदलते हुए अचानक पीस ऑफ माइंड चैनल लग गया। उसमें आध्यात्मिक ज्ञान की क्लास चल रही थी। मैंने कुछ देर सुनी तो मन को अच्छी लगी। इसके बाद लगातार पीस ऑफ माइंड पर अलग-अलग विषयों पर स्प्रीचुअलिटी पर लेक्चर सुने। आध्यात्मिक गीत, म्यूजिक मन को भाने लगा। चैनल देखते-देखते मैं मेडिटेशन सीख गया। इस दौरान स्प्रीचुअल क्लास के दौरान बार-बार ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर जाने के लिए कहा जाता। इस पर डेढ़ साल बाद मैं सेंटर गया और वहां विधिवत सात दिन का निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन कोर्स किया। इससे राजयोग मेडिटेशन को लेकर जो भी डाउट थे, सब क्लीयर हो गए।

शाकाहारी भोजन अपनाया, प्याज-लहसुन तक छूट गया

राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से मेरा अपने आप नॉनवेज से मन हट गया। वेजीटेरियन भोजन ही लेने लगा, यहां तक कि प्याज-लहसुन तक छोड़ दिया। क्योंकि इस ज्ञान से मैंने जाना कि हमारे सात्विक अन्न का मन पर किस तरह प्रभाव पड़ता है। आध्यात्मिकता को गहराई से आत्मसात करने और डूबने के लिए भोजन पर नियंत्रण जरूरी है।

हर चीज में खुशी ढूंढ़ता हूं

मेरा मानना है कि राजयोग का सारा ज्ञान ही नजरिया बदलने के लिए है। इससे हमें ज्ञान होता है कि गुस्सा, डर, भविष्य की चिंता करना आत्मा के मूल संस्कार नहीं हैं। आत्मा के मूल संस्कार तो प्रेम, खुशी, आनंद, शक्ति, सुख और पवित्रता है। कर्म फिलॉसफी और ड्रॉमा का ज्ञान होने से अब यदि जीवन में कुछ गलत होता है तो टेंशन नहीं होता है। हर चीज में खुशी ढूंढ़ लेता हूं। शांत रहना और खुश रहना जीवन का उद्देश्य बना लिया है। दूसरों की खुशी का भी ध्यान रखें। हमारे कर्म ऐसे हों कि दूसरों को आशीर्वाद मिले।

मोटिवेट- तारीफ करके ही हम दिलों को जीत सकते हैं-

चर्चा में उन्होंने कहा कि हम लोगों, सहकर्मियों और परिजन की विशेषताओं को परखकर उन्हें मोटिवेट और तारीफ करके ही हर लक्ष्य पा सकते हैं। साथ ही इम्प्रूवमेंट संभव है। मैंने कभी ड्यूटी को नौकरी समझकर नहीं किया। मेरे मन में भाव रहता था कि मैं सेवा कर रहा हूं। यह ड्यूटी मुझे लोगों की सेवा के लिए मिली है। इसी बात को लेकर मैं अपने सहकर्मियों और पुलिस अफसरों को मोटिवेट करता था कि मन में सदा सकारात्मक और सेवा का भाव रखें। लोगों के प्रति दया का भाव, खुशी देने का भाव हो तो आप भी जीवन में सदा खुश रहेंगे।

सॉल्युशन पर फोकस करें

हमें समस्या की जगह समाधान (सॉल्युशन) पर फोकस करना चाहिए। यही बात ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाई जाती है कि समस्या बड़ी नहीं होती है हम उसे सोचकर बड़ा बना देते हैं। जीवन में समस्याएं आना तय है लेकिन बात सॉल्युशन पर करना चाहिए। जब हम संतुष्टता का स्तर ऊंचा रखते हैं तो मन में अपनेआप शांति का भाव आ जाता है। कई बार ऑफिस में देर तक काम करना पड़ता है तो पॉजीटिव सोचें कि मैं सेवा कर रहा हूं, भगवान मेरी विशेषता को यूज कर रहा है। इससे हम रिलेक्स रहते हैं। यदि आप बड़े पद पर हैं तो उसे सेवा के भाव से दायित्व निभाएं। जीवन में जो मिला है उसमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का भाव होना जरूरी है। आजकल हम देखते हैं कि माता-पिता बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं जबकि उन्हें बच्चों की चिंता की जगह यह सोचना चाहिए कि मेरे बच्चों का भविष्य उज्जवल है। वह बहुत खुश हैं। ईश्वर उन्हें जीवन में खूब तरक्की दे। वह परमात्मा के बच्चे हैं।

मेरे लिए शिव बाबा ही सबकुछ हैं

जीवन के सत्य को जानने के लिए बाद और परमात्मा का सत्य ज्ञान लेने के बाद अब मेरे मन में ईश्वर, परमात्मा अवतरण, सृष्टि चक्र, वर्ल्ड ड्रॉमा, कर्म फिलॉसफी, बाइब्रेशन इफेक्ट आदि बातों को लेकर किसी तरह का कोई संशय नहीं रहा है। अब शिव बाबा ही मेरे लिए सबकुछ हैं। अमृतवेला ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 4 बजे से शिव बाबा का ध्यान करता हूं। राजयोग मेडिटेशन से हमें परमात्मा की दिव्य प्रकाश की अनुभूति होने लगती है। रोज आध्यात्मिक महावाक्य (मुरली) सेवाकेंद्र पर जाकर सुनता हूं। यहां मैंने जाना कि हम किसी व्यक्ति की एक कमी-कमजोरी को लेकर उसके प्रति मन में गलत भाव बिठा लेते हैं जबकि भगवान जो जानी-जाननहार है वह हमारे अंदर तमाम कमियां होने के बाद भी कहता है कि तुम जैसे हो, मेरे बच्चे हो, तुम देवकुल की आत्मा हो, महान आत्मा हो, दिव्य आत्मा हो। इतना विशाल हृदय, सोच और नजरिया एक परमात्मा के अलावा किसी का नहीं हो सकता है। इसी तरह हम भी लोगों में अच्छाई ढूंढ़कर उन्हें प्रोत्साहित कर जीवन में आगे बढ़ने में सदा सहायक बनें।

शख्सियत

हमारा इनर सेल्फ स्ट्रांग होगा तो...

हर सिचुएशन अच्छे से हेंडिल कर सकते हैं

मनीपुर सेकंड रायफल्स ऑफ पुलिस डिपार्टमेंट की कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) विक्टोरिया येंगखोम से विशेष बातचीत

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हमारा इनर सेल्फ स्ट्रांग होगा तो हर सिचुएशन को अच्छे से हैंडिल कर सकते हैं। क्योंकि इनर सेल्फ बीज है। राजयोग से इनर सेल्फ स्ट्रांग होने के साथ-साथ माइंड शांत होता है। हमारा थॉट्स को लेकर नजरिया डीप हो जाता है। कोई भी प्रॉब्लम आने पर हम जल्दी रिएक्ट नहीं करते हैं। चीजों को देखने का नजरिया बदल जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ के नॉलेज से हम थॉट्स लेवल पर काम करने के साथ डीपली थॉट्स लेवल का नॉलेज हो जाता है।

यह कहना है मणिपुर पुलिस सेवा-2007 बैच की ऑफिसर वर्तमान में मनीपुर सेकंड रायफल्स ऑफ पुलिस डिपार्टमेंट की कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) विक्टोरिया येंगखोम का। आप 61 साल पुरानी प्रतिष्ठित दूसरी मणिपुर राइफल्स बटालियन की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। आपने 2001 में मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में बीए और 2003 में एमए (इतिहास) किया। 2006 में अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से एमफिल की डिग्री ली। पुलिस सेवा में बेहतर कार्य के लिए आपको सम्मानित भी किया जा चुका है।

वर्तमान में जीना ही खुशी का सीक्रेट

शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में सीओ विक्टोरिया ने कहा कि न मैं पास्ट के बारे में सोचती हूं और न फ्यूचर के बारे में, बस प्रजेंट में जीती हूं। यदि हमें लाइफ में खुश रहना है तो प्रजेंट (वर्तमान) में जीना सीखना होगा। जो पल आपके हाथ में है उसे यादों में संजो लें और खुश रहें। पुलिस सेवा में बिहेवियर का बड़ा रोल है। क्योंकि हम सीधे तौर पर समाज के संपर्क में रहते हैं, लोगों को डील करते हैं। ऐसे में आपका रवैया पॉजीटिव, व्यावहारिक और संवेदनशील होना जरूरी है।

नारी की गुड क्वालिटी का सही यूज करना सीखना है तो ब्रह्माकुमारीज़ बेहतर उदाहरण

नारी की गुड क्वालिटी का सही यूज करना सीखना है तो ब्रह्माकुमारीज़ सबसे बेहतर उदाहरण है। यहां नारी शक्ति अपनी विशेषताओं का उपयोग समाजसेवा, समाज कल्याण के लिए कर रहीं हैं। यहां भाई, बहनों की कितनी रिस्पेक्ट करते हैं। यह बात सीखने लायक है। माउंट आबू मुख्यालय का मैनेजमेंट, साफ-सफाई बहुत अच्छी है। यहां के मैनेजमेंट को सरकारी संस्थाओं को भी सीखना चाहिए। सामाजिक भेदभाव की सोच खत्म करने में ब्रह्माकुमारीज़ का बड़ा योगदान है। बहनें लोगों को मोटिवेट कर जीना सिखा रही हैं।

सबसे अहम बात हमें समस्या के साथ उससे प्रभावित हुए बिना कैसे जीना है यह बात सिखाई जाती है। इंफाल की बीके नीलिमा बहन ने राजयोग मेडिटेशन सीखने में मदद की। जब भी समय मिलता है तो कुछ पल शांति से बिताने और राजयोग मेडिटेशन के लिए ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर जाती हूं। राजयोग मेडिटेशन से जो आंतरिक शांति और खुशी मिलती है उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती हूं। आज सभी के लिए मेडिटेशन बहुत जरूरी है।

एजुकेशन सिस्टम में स्प्रीचुअल नॉलेज जरूरी

मेरा मानना है कि हमारे एजुकेशन सिस्टम में यंग एज से ही स्प्रीचुअल नॉलेज जरूरी है। यदि युवाओं को हम आध्यात्मिकता से जोडने में सफल रहे तो बहुत सारी समस्याएं अपनेआप खत्म हो जाएंगी। युवाओं के लिए सबसे जरूरी है कि वह अपनी पॉवर को पॉजीटिव कार्यों में लगाएं। लक्ष्य पाने में अपनेआप को समर्पित कर दें। थॉट्स को पॉजीटिव और स्ट्रांग बनाएं। इनर सेल्फ को डवलप करने का प्रयास करें।

यहां देवताओं जैसे गुण धारण करने की दी जाती है शिक्षा

रियल लाइफ

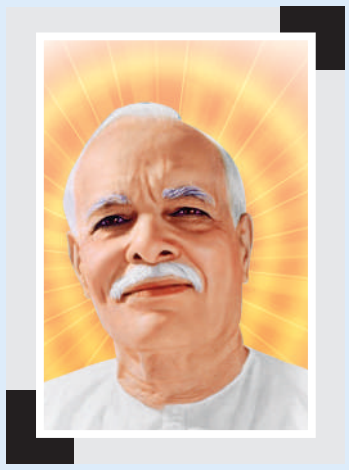

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हम डेढ़ या दो मास उस मंदिर में रही होंगी। दिनोंदिन सत्संग में आने वालों की संख्या बढ़ती गई। मन्दिर में पुजारियों ने देखा कि माताएं और पुरुषों का ध्यान अब ऊपर सत्संग सुनने की ओर है और उनका ध्यान-पूजा की ओर कम है। बहनें पूजा करने की बजाय देवताओं के जैसे गुण धारण करने की शिक्षा देती हैं और देवों के भी देव जो एक परमपिता परमात्मा शिव हैं, उनकी अनन्य स्मृति में स्थित होने की सहज विधि समझाती हैं, इस पर लोग आकर्षित हो गए। अतः उन्होंने मंदिर प्रबंधन कमेटी के सदस्यों को उकसाया। इसके परिणामस्वरूप मन्दिर के प्रबंधकों ने कहा कि जितना समय यहां रहने के लिए आपको निमंत्रण दिया था, वह समय अब पूरा हुआ है और यहां अब कोई और महात्मा आने वाले हैं। हमने उस स्थान को खाली करना ही उचित समझा। परन्तु सत्संग में आने वाली माताएं-कन्याएं और भाई इस बात के लिए तैयार न थे कि सत्संग बंद हो। अतः उन्होंने प्रबंधकों से आग्रह किया जिसके फलस्वरूप हमारे प्रवचन तो चलते रहे परन्तु हमने निवास अर्थ अन्य स्थान पर प्रस्थान किया। अब हम नित्य प्रति प्रातः काल यमुना के घाट पर आने वाले भक्तों को भी ईश्वरीय सन्देश देती थीं और सायंकाल को गौरीशंकर मन्दिर में भाषण भी करती थीं। कुछ दिन हमारा यह कार्यक्रम चलता रहा। इसी बीच लाला जगन्नाथ जी, जो देहली के एक प्रसिद्ध रईस हैं और जिन्होंने देहली में एक घण्टाघर (Clock Tower) भी बनाया हुआ है। उनकी माता जी ने अपनी धर्मशाला में हमें भाषण करने के लिए स्थान दिया और उसके निकट ही हमारे रहने के लिए भी प्रबंध कर दिया। वह धर्मपरायण थीं, इसलिए उन्होंने हमें काफी सहयोग दिया। अब कुछ समय वहां ही प्रवचन चलते रहे। सुनने वालों की संख्या नित्य बढ़ती ही गई। यहां भी कई लोगों को दिव्य साक्षात्कार होते। दिव्य बुद्धि के दाता परमपिता परमात्मा ने हमें जो दिव्य ज्ञान दिया था, हम वह सुनाती थीं और परमात्मा स्वयं दिव्य-दृष्टि का वरदान देकर जन्म-जन्मान्तर भक्ति करने वाली कई आत्माओं को दिव्य साक्षात्कार कराते थे। **क्रमशः**

ऋषिकेश में विश्व शांति धर्म सम्मेलन का निमंत्रण मिला...

ऋषिकेश में विश्व शान्ति के बारे में धर्म-सम्मेलन उसी वर्ष विश्व शान्ति सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए एक निमंत्रण आबू में यज्ञ-माता के पास आया था। यह निमंत्रण पत्र शिवानन्द जी ने ऋषिकेश से भेजा था। उन्होंने ही उस सम्मेलन का आयोजन किया था। यज्ञ माता ने ब्रह्माकुमारी दीदी मनमोहिनी जी, संतरी जी, गंगा जी तथा ब्रह्माकुमार आनन्द किशोर को उस सम्मेलन के लिए ऋषिकेश भेजा था। इसके विषय में ब्रह्माकुमारी संतरी जी ने बताया कि-उस सम्मेलन में विदेशों से भी बहुत से प्रतिनिधि आए हुए थे। हमारे ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने भी भाषण किया था जोकि सभी को बहुत अच्छा लगा। सम्मेलन में तीसरे दिन प्रतिनिधियों में अंग्रेजी-हिंदी भाषा को लेकर विवाद हो गया। इस समय शिवानन्द जी, वहां उपस्थित नहीं थे।

अव्यक्त इशारे

हमारा चेहरा सदा खुशी की झलक व शांति से भरपूर हो

राजयोगिनी दादी हृदयमोहनी (गुलजार),
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हर एक बच्चे का बाबा से प्यार तो है ही । बाबा के प्यार में तो सभी काफी परसेन्ट तक पास हो। विशेषकर आजकल जो नए जिज्ञासु आते हैं उनका बाबा से प्यार बहुत जल्दी हो जाता है और दिल से होता है और बातों में भले थोड़ा टाइम लगता हो। बाबा से प्यार है तब तो ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी बने हैं और चल रहे हैं। जब बाबा से प्यार है तो जिससे भी प्यार होता है उसके प्रति हम अपने आपको न्यौछावर करने के लिए तैयार हो ही जाते हैं। बाबा को प्रत्यक्ष करने का ख्याल तो हम सभी को है ही क्योंकि बाबा से सबका जिगरी प्यार है।

अब बाबा को दो प्रकार से प्रत्यक्ष करना है- 1. सेवा द्वारा 2. अपने चेहरे और चलन द्वारा। चलन और चेहरा प्राप्ति का हो। हम कहें नहीं कि हमें खुशी मिली है लेकिन हमारा चेहरा दिखावे कि इन्हों को कोई अलौकिक प्राप्ति है। इनके चेहरे में खुशी की झलक है या शान्ति की रेखाएं हैं या यह शक्ति-रूप हैं। यह डगमग होने वाले नहीं हैं, एकरस रहने वाले हैं। लोगों को अंदर से ऐसा महसूस हो। हमारा चेहरा ही चैतन्य म्यूजियम का काम करे। बाबा कहते कि आपकी चलन और चेहरे से ऐसा सबूत दिखाई दे जो अनुभव करें और पूछें। उनके दिल में यह शुभ संकल्प उठे कि यह इन्हों को कहां से मिला है, कैसे मिला है?

सेवा द्वारा बाबा को प्रत्यक्ष करने के लिए पहले हर एक की नब्ज जरूर देखनी चाहिए। अगर उसकी इच्छा नहीं है, जिज्ञासा नहीं है और आप उसको सारा ज्ञान दे दो, सप्ताह कोर्स एक ही दिन में दो लेकिन उनके पल्ले तो कुछ नहीं पड़ेगा। तो नब्ज देख करके पहले उनकी धरनी बनाओ। उनको खुद इच्छा हो कि हां, इन्हों को जो मिला है वह हमको भी प्राप्त करना चाहिए और जहां से हुआ है वहां का परिचय हमको लेना चाहिए। इसके लिए हमें अपनी बुद्धि को बिल्कुल साफ रखना है। बुद्धि में कोई किचड़ा न हो माना बुद्धि में इधर-उधर की बातें नहीं हों। बुद्धि सदा क्लीन, क्लीयर और केयरफुल हो। उसी धारणा से हम जिज्ञासुओं को समझाते, कोर्स कराते तो उसको तीर लगता है। हम अपनी धारणाओं से बाबा को सहज प्रत्यक्ष कर सकते हैं।

हम विचार सागर मंथन या मनन किस बात पर करेंगे? जो बाबा ने दिया है, उसी पर ही मनन करेंगे, मन की बातों पर तो मनन नहीं करेंगे। जैसे हम बाबा की प्वाइंटस को प्रैक्टिकल में स्वयं अनुभव करके, विस्तारपूर्वक बुद्धि में स्पष्ट करके दूसरों को सुनाते हैं। उसमें अपनी मिक्स नहीं करते। मिक्स करने से आत्माओं को इतना फायदा नहीं होता। अगर कोई स्टोरी रूप में सुनाता है तो वह अपने में फंसाता है और अपने में फंसाना यह बहुत बड़ी गलती है। कहेंगे यह बहन बहुत अच्छी है, यह बहुत अच्छा सुनाती है। अच्छी तरह से स्पष्ट करके सुनाती है। अरे, बहन ने लाया कहां से? बाप से लाया। ऐसे नहीं मैं बहुत होशियार हूं इसलिए सब मेरे पीछे पड़ते हैं। यह खुशी की बात नहीं है, यह सेवा की सफलता नहीं है, यह आत्माओं को अपने में फंसा के बाबा से बेमुख करना है, बिचारा वंचित रह जाएगा, क्योंकि आत्मा को, आत्मा से वर्सा नहीं मिल सकता। वर्सा बाप से ही मिलता है। अगर बाप से उसका कनेक्शन नहीं जोड़ा, तो उस आत्मा के कल्याण के निमित्त बने या अकल्याण के? क्योंकि आजकल की दुनिया बॉडी कॉन्सेस बहुत है। चाहे अलौकिक देह में, चाहे लौकिक में फंसे-वह तो उन्हों का 63 जन्म का संस्कार है, वह तो जल्दी फंस जाते हैं लेकिन हमको अटेन्शन रखना है कि कोई भी आत्मा मुझ देहधारी की आकर्षण में नहीं आए। गुणों की आकर्षण में भी आते हैं तो भी रांग है, गुण दिया किसने? सेवा में बहुत अच्छी है, सेवा सिखाई किसने? जिज्ञासु का बुद्धियोग बाप से जुटे। परमात्मा से उसे कुछ प्राप्ति हो। इस बात का बहुत अटेन्शन चाहिए। इसके लिए पहले हमारा कनेक्शन शिवबाबा से ठीक जुटा रहे।

प्रेरणापुंज

विधि मुरली से मिलती है, विधान अपने लिए बनाने हैं

राजयोगिनी दादी जानकी,
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

बेहद बाबा की हूं देह से न्यारी होकर, जैसे बाबा अति न्यारा, अति प्यारा है, जो प्यार बाबा दे सकता है, सबको एक जैसा प्यार देता है, कोई कम बुद्धि वाले समझते हैं इसको बाबा अधिक प्यार देता मुझे कम देता है। वह भेंट करता है। परन्तु बाबा के पास पतित हो, पापी हो, कैसा भी हूं बाबा-बाबा है। सर्व संबंधओं का सेक्रीन है। निश्चय के बल से यह भी नियम पक्का कर देना चाहिए। मैं बाबा का प्यार लेने के लिए अपनी आत्मा को सदा ऐसा बनाकर रखूं। देने वाला दे रहा है, वहां से आ रहा है, तो हम लें भी बाबा के स्नेह की सकाश लें तो हम गंगा बन सकते हैं। जैसे सूर्य सकाश से सागर के पानी से खारे-पन को अलग कर देता है। अभी गर्मी है तो अभी बहार है, यह सब सूर्य की कमाल है।

निश्चय से विजय कितनी होती आ रही है, यह भी पक्का नियम है। निश्चय से कभी हिले नहीं हैं, अनुभव वाला निश्चय है। कोई हिला नहीं सकता, कोई संशय की बात कर नहीं सकता। अपने को इस नियम के बंधन में रखा है। मैं ईश्वरीय संतान हूं ईश्वरीय फैमिली है, सतधर्म के स्थापना के अर्थ हैं। हम असत्यता को खत्म करने वाले, सत्यता को प्रदान करने वाले हैं। नियम बनाए किसने? ज्ञान, विवेक और अनुभव ने। ज्ञान सिर्फ बुद्धि को चलाने वाला नहीं, लेकिन विवेक और अनुभव क्या कहता है। तो यह प्राप्ति फट से शुरू होती है। शान्त, सरल, खुश हैं तो अपने लिए सफलता है। अन्दर की शान्ति जैसे बाबा कूट-कूट कर भर रहा है।

आत्मा को शान्त स्वरूप रहने का संस्कार फिर से इमर्ज हो जाए, तब तक बाबा अपनी सकाश दे दे करके आत्मा में भर रहा है। इस तरह से हम नियम की पालना करें। नियम बनाएं-ज्ञान, विवेक और अनुभव से। फिर उसी अनुसार चलें तो फायदा ही फायदा है। नियम को थोड़ा सा भंग किया, उसी अनुसार नहीं चले तो विघ्न आ जाते हैं। फिर विघ्नों को हटाने की मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन विघ्नों का आह्वान हमने किया। कितने भी विघ्न आएं लेकिन समझो इसमें कल्याण समाया हुआ है। हमारी शुभ भावना से यह हट जाएगा। शुभ भावना नहीं होगी तो कड़ा रूप धारण करता रहेगा। शुभ भावना से हट जाएगा। यज्ञ में विघ्न शुरू से आए हैं, लेकिन अन्दर कल्याण समाया हुआ है, अन्दर से देखा है, कल्याण हमारा हुआ है। सेवा छोड़ी नहीं है, सेवा बढ़ाई है। विघ्न आना उसका काम है, भगाना हमारा काम है। इतना अन्दर निश्चय का बल है। विधि रोज मुरली से मिलती है, विधान खुद अपने लिए बनाने हैं। उसमें अपने को ढीला नहीं रखना है।

स्वदर्शन चक्र फिराना है...

स्वदर्शन चक्र फिराना माना 'स्व की स्मृति' में रहना। देह-अभिमान वश जो अन्दर संकल्प-संस्कार में कुछ किचड़ा भरा हुआ है, जब तक वह है तब तक सुई साफ फ्री हो करके चुम्बक को नहीं खींचती, न स्वयं शान्ति और शुद्ध प्रेम का अनुभव करती है। तो पहले अपने संकल्प को शुद्ध शान्त बनाएं। कई बार अशुद्ध संकल्प अन्दर घुस जाता है, क्योंकि पुराने संस्कार छिपे हुए हैं, चेंज नहीं हुए हैं। बाबा से पहले-हमको शान्ति और प्रेम मिला है। सुनने की भी समझ पीछे आई है। पहले शान्ति और प्रेम ने अपने तरफ खींचा है। शान्ति और प्रेम ऐसी चीज है, जो सभी उसे स्वीकार करते हैं। आज दिन तक हमने कभी बाबा से कोई क्वेश्चन नहीं पूछा होगा। अपने आप मुरली से उत्तर मिलता है। सिर्फ वह अच्छी तरह से समझी हुई हो, धारणा की हुई हो, हमारे लाइफ में हो तो दूसरों को हम अपने जीवन से, उदाहरण से उत्तर दे सकते हैं। मनुष्य से देवता बनने के पहले एंजिल बनने की पढ़ाई परमात्मा से पढ़ी है, उसकी अथॉरिटी है।

स्नेह मिलन समारोह : छत्तीसगढ़ सरकार की पूरी कैबिनेट सहित पक्ष-विपक्ष के विधायक पहुंचे ब्रह्माकुमारीज़ शांति सरोवर

आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना में ब्रह्माकुमारी का कार्य सराहनीय: सीएम

शिव आमंत्रण, रायपुर/छग।

छत्तीसगढ़ सरकार की पूरी कैबिनेट और विधायकों के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर पहुंचे। संस्थान के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में सभी ने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शांति की गहन अनुभूति की।

समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। हम सभी इससे भलीभांति परिचित हैं। इसलिए इस संगठन की सेवाओं को दोहराने की जरूरत नहीं है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि हम लोगों को शान्ति की जरूरत है। सभी लोग चाहे घर में हों या विधानसभा में सभी जगह अशान्त हैं। हम यह तय नहीं कर पाते हैं कि कौन सा कार्य हमारा है और कौन सा ईश्वर का है? शान्ति के लिए हमारे कई साथी माउण्ट

आबू जाने की इच्छा रखते हैं ताकि शान्ति की अनुभूति कर सकें और हमारे अन्दर सुधार आए। मन में शान्ति होगी तो जनता की अच्छी सेवा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अशान्त मन से परमात्मा को याद नहीं कर सकते। हम सब उनकी सन्तान हैं और उनके समान बनना चाहते हैं।

क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने माउण्ट आबू में आयोजित तीन दिवसीय राजयोग शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। प्रयागराज से पधारी धार्मिक सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी ने कहा कि यह भूमि भावनाओं से भरी हुई है। अयोध्यापति श्री राम का ननिहाल रहा है। जनता ने अपनी आवाज सत्ता के गलियारे तक पहुंचाने के लिए आपको चुना है। आज चाहे पक्ष हो, चाहे विपक्ष सब कुछ भुलाकर यहां बैठे हैं। किन्तु मनोबल की कमी होने से सेवाओं पर असर पड़ता है। जहां मनोबल होता है वहां सत्यता और सरलता जीवन की अनुगामिनी बनकर श्रेष्ठ व्यक्तित्व के रूप में उभरता है।

समारोह में नेता प्रतिपक्ष नारायण दास चंदेल, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम सॉय सिंह टेकाम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, डॉ. कृष्ण मूर्ति बांधी, पुन्नू लाल मोहिले, ननकी राम कंवर, कुलदीप जुनेजा, अरूण वोरा, शिवरतन शर्मा, शिशुपाल सिंह सोरी, धरमजीत सिंह, प्रमोद शर्मा, दलेश्वर साहू, डॉ. प्रीतम राम, रजनीश सिंह, डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, सावित्री मनोज मण्डावी, अनिता योगेन्द्र शर्मा, संगीता सिन्हा, उत्तरी जांगड़े आदि का शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। बाल कलाकारों ने राजकीय गीत अरपा पैरी के धार पर नृत्य प्रस्तुत किया। भिलाई सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने आभार माना। संचालन धमतरी की संचालिका ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने किया।

संसद भवन में राजयोग का महत्व बताया

शिव आमंत्रण, दिल्ली (आरकेपुरम)। संसद भवन, राज्यसभा सचिवालय में तनाव मुक्त सकारात्मक जीवन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे मोटिवेशनल वक्ता प्रो. बीके ओंकार ने राज्यसभा सांसद सहित स्टाफ को सकारात्मक रहने के टिप्स बताते हुए कहा कि हमारे जीवन की क्वालिटी हमारी सोच पर निर्भर करती है। जितनी अच्छी और महान हमारी सोच होगी, जीवन का स्तर भी उतना महान और उच्च होगा। आपकी सकारात्मक सोच से हजारों लोग प्रभावित होते हैं। कुछ समय निकालकर राजयोग ध्यान जरूर करें। राज्यसभा की एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. वंदना कुमार, ज्वाइंट सेक्रेटरी कुसुम सुधीर, निदेशिका डॉ. शुभश्री पनिग्रही, बीके अनीता दीदी, बीके ज्योति दीदी विशेष रूप से मौजूद रहीं।

मेरा भारत- स्वर्णिम भारत, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत अभियान चलाया

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद/हरियाणा।

मेरा भारत, स्वर्णिम भारत, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की थीम पर संजय एंक्लेव स्थित ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा भवन द्वारा अभियान चलाया गया। इसमें 400 से अधिक लोगों ने लिया भाग लिया।

अभियान को हरी झंडी दिखाकर लोटस हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. शालिनी सचदेवा एवं डॉ. पिंकी, राजयोगिनी ऊषा दीदी, राजयोगिनी सुभद्रा दीदी, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ज्योति दीदी ने शुभारंभ किया। अभियान में मुख्य झांकियों के रूप में परमात्मा अवतरण, सतयुग दर्शन, सर्व आत्माओं के पिता आदि झांकियों को बनाया गया। इनके माध्यम से लोगों को जीवन में आध्यात्मिकता अपनाने और विषय विकारों से दूर रहते हुए जीवन को महान बनाने का संदेश दिया गया। अभियान में पूरे समय चैतन्य झांकियां लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बड़ी संख्या में लोगों ने झांकियों के माध्यम से संदेश लिया।

रसिया, यूक्रेन, क्रीमिया के कलाकारों ने

प्रस्तुतियों से मोहा सबका मन

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम (हरियाणा)।

ब्रह्माकुमारीज़ के गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में भारत सरकार के सहयोग से युवाओं के लिए वाई 20 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रसिया, यूक्रेन, क्रीमिया एवं अन्य देशों के कलाकारों ने भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी। मेरा जूता है जापानी, देश रंगीला रंगीला, ये वतन वतन मेरे वतन आबाद रहे एवं बचपन के दिन भुला न देना जैसे मधुर गीतों के द्वारा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों द्वारा पंजाबी भांगड़ा के

द्वारा भी बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। साथ ही आध्यात्मिक और ईश्वरीय स्मृति के गीतों के माध्यम से सबका मन मोह लिया। ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि हर एक के अंदर एक कलाकार छिपा हुआ है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता ही एक ऐसा माध्यम है जो हमारे मूल स्वरूप को प्रत्यक्ष करता है। खुशी का मूलमंत्र है - दूसरों को सुख देना। औरों को दुआएं और खुशी देना ही स्वयं को खुशनुमा बनाना है। अमेरिका से आए बीके केन ने भी सभा को संबोधित किया। बीके केन ने कहा कि जब स्वयं के साथ हमारा बेहतर संबंध होता है। तब ही प्रकृति और व्यक्ति से हमारे संबंध अच्छे होते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के रसिया सेवाकेंद्रों की संचालिका बीके संतोष ने अपनी सेवाओं के अनुभव साझा किए।

सागर में शिव ध्वजारोहण कर लिया बुराइयों को छोड़ने का संकल्प

शिव आमंत्रण, सागर (मप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ सागर सेवाकेंद्र की ओर से क्षेत्रीय प्रभारी बीके छाया दीदी के मार्गदर्शन में 15 दिवसीय 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इस दौरान डेढ़ से अधिक स्थानों पर शिव ध्वजारोहण कर लोगों को शिव ध्वज के नीचे सदा सभी के प्रति शुभभावना- शुभकामना रखने का संकल्प कराया गया। मकरोनिया स्थित मुख्य सेवाकेंद्र पर शिव ध्वज फहराकर संकल्प लेते हुए भाई-बहनें। इस मौके पर गौरझामर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लक्ष्मी, बीके निधि, बीके पार्वती, बीके नेहा, बीके कामिनी व अन्य मौजूद रहे।

संपादकीय

वर्तमान समय कल्प-कल्प की बाजी का समय है

ज्ञानी वो है - जो सबको सहयोग देता है, प्रेम से खुद को और सबको चलाता है। अज्ञानी वो है - जो सिर्फ तुलना करता रहता है, शिकायत करता रहता है, एक दूसरे पर दोषारोपण में फंसा रहता है। जब तक हमारे भीतर किसी भी बात की, किसी परिस्थिति या समस्या की और स्वीकार्यता नहीं है, तब तक हमारे अन्दर शिकायत है, तब तक उस बात को छोड़ना हमें सहज नहीं लगता और सहज नहीं है, तो उस समस्या या बात की समाप्ति भी नहीं है क्योंकि सहज भी हम तभी रह सकते हैं, जब हम उस बात को स्वीकार कर लेते हैं, हमारी स्वीकार्यता ही सहजता लाती है। निश्चय और समर्पण दो खंभे हैं। निश्चय है तो समर्पण है और समर्पण है तो निश्चय है ही है। समर्पण वाली आत्मा की कोई इच्छा नहीं होती, वह अपनी सभी इच्छायें भी परमात्मा को समर्पण कर देती है। शिवबाबा को इस दुनिया में अमीर-गरीब, सुन्दर-कुरूप, मेरा-तेरा, कुछ दिखाई नहीं देता। बस, परमात्मा पिता को तो आत्माओं की क्षमता नज़र आती है अर्थात् किस आत्मा में कितनी चमक है और वो कितना अपना भाग्य बना पायेगी। जिस कारण शिवबाबा सभी आत्माओं पर एक-समान रहम और कल्याण करता है, किन्तु योग्य आत्माओं को समझानी दे, स्वयं के समान बना, स्वयं के समीप ले आता है। यह समय फुल जागरूक रहने का है। कल्प-कल्प की बाज़ी का समय है। सार में स्थित रहने का समय है अर्थात् प्लेन बुद्धि, सम्पूर्ण समर्पण। बात कितनी भी बड़ी हो, छोड़ने में सेकण्ड ना लगे, तब कहेंगे सच्चा ज्ञानी।

बोध कथा/जीवन की सीख

प्रभु का ध्यान

एक अमीर व्यापारी थे, जिनका नाम सुखीलाल था। सुखीलाल सुबह उठकर स्नान करने के बाद नियमित प्रभु का ध्यान भजन करते थे। फिर समय पर दुकान खोल कर बैठ जाते थे। उनकी ईमानदारी के चर्चे चारों तरफ थे। जब उनके बच्चे जवान हो गए तो उन्होंने पिताजी का काम संभाल लिया। सुखीलाल मन ही मन सोचने लगे कि अब 60 वर्ष की आयु हो गई है, ऐसे में दुकान का लालच छोड़कर क्यों नहीं पूरा समय ईश्वर के ध्यान और जन सेवा में लगाया जाए। लेकिन उनका मन कहता, अभी तो नाती पोतों को पढ़ाना-लिखाना है। उनके विवाह करने हैं। इन सबसे निपट जाने के बाद ही दुकान छोड़ने के बारे में सोचना ठीक रहेगा।

इसी उधेड़बुन में वह एक दिन सुबह टहलने जा रहे थे। सड़क पर एक सफाई करने वाली महिला झाड़ू लगा रही थी। सुखीलालजी को सड़क पर चलते हुए देखकर महिला ने कहा- सेठजी आप एक तरफ हो जाइए। बीच में रहेंगे तो आपके ऊपर धूल पड़ जाएगी। एक तरफ हो जाएंगे तो धूल से बचे रहेंगे। महिला के इन शब्दों ने सेठजी की आंखें खोल दी। उन्हें भी महसूस होने लगा कि दो नावों में सवार होने वाले का कभी कल्याण नहीं होता है। उन्होंने तुरंत दुकान की चाबी अपने बेटों को सौंपते हुए कहा- मैंने इतने साल कमाने में बिता दिए हैं अब शेष जीवन कमाए हुए धन से लोगों की सेवा करना चाहता हूं और प्रभु का ध्यान-भजन करना चाहता हूं। यह सुनकर उनके बेटे को बुरा तो लगा, लेकिन परिवारजन ने सुखीलाल को सभी दायित्व से मुक्त कर दिया। कुछ ही दिन में सुखीलाल भक्ति और सेवा में डूब चुके थे।

संदेश : मनुष्य जन्म में संभावना है, आप जितना महान होना चाहें, जितना ऊंचा उठना चाहें उठ सकते हैं। जितना नीचे गिरना चाहें गिर भी सकते हैं। अपना जीवन ईश्वर के ज्ञान से, ध्यान से, सेवा से, परोपकार से, पुण्य कार्यों से जितना भरना चाहें उतना भर सकते हैं। पुण्यकर्म करके ऊंचा उठना यह मनुष्य जन्म का तप है। यह शरीर विषयभोग के लिए नहीं मिला। यह शरीर मिला है परमात्मा का सुख और शुद्ध आनंद लेने के लिए। अच्छे कृत्य करते-करते हृदय शुद्ध होता जाएगा। हृदय जितना शुद्ध होगा, उतना शांत रहेगा और जितना शांत रहेगा उतना शांतस्वरूप परमात्मा के करीब आ जाएगा। इसके लिए केवल परमात्मा से लगन और प्रेम की जरूरत है। बाकी काम तो भगवान कर देते हैं।

मेरी कलम से

ऊषा उत्तुफ,
प्लेबैक सिंगर,
मुंबई

मैंने कमियों को ही ताकत बना ली, हम अपनी सृष्टि के रचयिता खुद हैं

प्लेबैक सिंगर ऊषा ने राजयोग से जुड़े अनुभव बताए

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि ब्रह्माकुमारीज़ के सिस्टर शिवानी के एक कार्यक्रम- संकल्प से सृष्टि में हमें शामिल होने का मौका मिला है। मैं मानती हूं कि असल में हम अपनी सृष्टि के रचयिता खुद हैं। हम अपनी सृष्टि में जो चाहे वह कर सकते हैं। अगर हमारा मन सकारात्मक और आशावादी है। मैंने अपने संकल्पों से अपनी दुनिया बनाई है इसलिए हर कोई अपनी दुनिया बना सकता हैं। एक व्यक्ति इस विश्व में नहीं जिसे कोई दिक्कत ना हो जिसे जीवन में कोई भी उतार-चढ़ाव नहीं है, हर कोई उतार-चढ़ाव से गुजरता है। मेरे अपने उतार-चढ़ाव पिछले 50 वर्षों के संगीत के जीवन

में व्यक्तिगत व व्यावसायिक दोनों ही तौर पर होते रहे लेकिन मैंने हर परिस्थिति को ताकत में बदला है।

उदाहरण के तौर पर मेरी आवाज जिस समय में इस संगीत व्यवसाय में आई तब वर्ष 1969 का था। तब फिल्म उद्योग में मेरी आवाज इतनी भारी इतनी अलग है कि कई लोगों ने कहा तुम नहीं चलेगी। लेकिन मैंने इस आवाज को अपनी ताकत बना ली। बरसों लगे जब मैंने खुद पर भरोसा किया और परमात्मा ने मेरा साथ दिया। मैं परमात्मा की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे ताकत दिया जो हमारे पास है उसी को ताकत बनाने की। जब मैं खुद के बारे में बहुत अच्छा नहीं महसूस कर रही थी, लेकिन हमेशा परमात्मा की ओर देखती रही। मुझे परमात्मा में संपूर्ण विश्वास है। अगर आप अपने साथ ईमानदार होना सीख लें तो आपको भटकने-चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर आप अभी से परमात्मा को साथी बनाकर चलते हैं तो वे अपने जीवन में शांति-सुख भरकर जीवन को आसान बना देंगे।

हम ब्रह्माकुमारीज़ की विचार धारा को अपना जीवन बनाकर राजयोग का अभ्यास करें अनेक फ़ायदे होंगे। हम अपना एक कदम हिम्मत का बढ़ा लें तो भगवान हमें हजार कदम का साथ देने को हमेशा तैयार बैठा है, जिससे हमारा जीवन बदल सकता है।

आत्मगत अस्तित्व द्वारा परमात्म दर्शन का स्वरूप

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 57

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

जीवन की महानतम अनुभूति से गतिशील होते हुए स्वयं के सकारात्मक परिवर्तन हेतु आंतरिक समर्पण और पूर्णतावादी दृष्टिकोण को आत्मसात करके आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति की ओर अग्रसर रहकर मानव विकास में मौलिक सिद्धांत एवं व्यावहारिक गरिमा को अक्षुण्य बनाए रखा जा सकता है। स्वयं को सदा निमित्त, निर्माण और निर्मल स्वरूप में स्थापित करते हुए – लौकिक, अलौकिक एवं पारलौकिक सत्ता के प्रति–श्रद्धा, आस्था तथा मान्यता के साथ उपदेश के अनुपालन में आज्ञा कारिता एवं धर्मगत आदेश को आत्मसात करके ईश्वरीतत्व बोध तथा निजी अस्तित्व की स्वीकारोक्ति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

आत्मिक प्रवृत्ति के सुखद परिणाम : जीवात्मा द्वारा स्वयं की खोज हेतु भागीरथ पुरुषार्थ की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए चेतना को निरंतर रूप से अनेका नेक प्रयत्न और विशेष जतन करना होता है तब महान जीवन और सकारात्मक अभिप्रेरणा की दिव्य अनुभूति संभव हो पाती है जिसमें आत्मिक

समृद्धि एवं जीवन की दुर्लभता का बोध नैसर्गिक रूप से सन्निहित रहता है। स्वयं के विकासात्मक पक्ष के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण का निर्माण करते हुए अग्रसर रहने की आत्मिक प्रवृत्ति एवं प्रकृति के सुखद परिणाम–विकसित जीवन का स्वरूप तथा आध्यात्मिक मूल्य संपन्नता की प्राप्ति है जिससे मानव जीवन में व्यक्तिगत उन्नति और विकास का मार्ग पुण्य की परिणति के रूप में प्रशस्त हो जाता है।

परमात्म सत्ता की पारलौकिक अनुभूति : आत्मगत अध्ययन की गहनता से चेतना का आंतरिक रूपांतरण एवं भावनात्मक विकास हेतु धर्मगत आचरण के अनुकरण और अनुसरण की आवश्यकता को प्रतिपादित किया जाता है जिससे परमात्म सत्ता की पारलौकिक अनुभूति मनुष्य जीवन के लिए दिव्य उपलब्धि में नैसर्गिक पद्धति तथा विकासात्मक स्वरूप का आधारभूत प्रतिबिंब बन जाए। जीवन की महानतम अनुभूति से गतिशील होते हुए स्वयं के सकारात्मक परिवर्तन हेतु आंतरिक समर्पण और पूर्णतावादी दृष्टिकोण को आत्मसात करके आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति की ओर अग्रसर रहकर मानव विकास में मौलिक सिद्धांत एवं व्यावहारिक गरिमा को अक्षुण्य बनाए रखा जा सकता है।

महान चिंतन में निष्ठावान मनोवृति : आत्मा के संबंध में सूक्ष्म अध्ययन का अनुगमन ही चेतना को आत्मिक विकास हेतु दिव्यगुण तथा महानचिंतन के प्रति निष्ठावान बनाता है जिसमें राजयोग शक्ति से आंतरिक खोज और आत्मअनुभूति की विराटता को जीवन में स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है। स्वयं को सदा निमित्त, निर्माण और निर्मल स्वरूप में स्थापित करते हुए लौकिक, अलौकिक एवं पारलौकिक सत्ता के प्रति–श्रद्धा, आस्था तथा मान्यता के साथ उपदेश के अनुपालन में आज्ञाकारिता एवं धर्मगत आदेश को आत्मसात करके ईश्वरीतत्व बोध तथा निजी अस्तित्व की स्वीकारोक्ति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

परमात्म दर्शन का विराटतम परिदृश्यः चेतना की चैतन्य अनुभूतियों से गतिशील होते हुए – निज निधि निजानंद स्वरूपम के प्रति श्रद्धा, आस्था और मान्यता की पराकाष्ठा तक स्वयं की स्थापना हेतु किए जाने वाले अनवरत पुरुषार्थ इस बात का प्रमाण हैं कि जीवात्मा ने आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति के वृहद स्वरूप की उच्चता तक , निजी जीवन द्वारासंपूर्ण समर्पण से पहुंचने की शक्तिशाली अभिलाषा अंतर्मन में संपूर्ण जतन से सहेज कर रखी है । निजी जीवन के अस्तित्व को विशाल हृदय से स्वीकार करने की आंतरिक जिजीविषा , जीवात्मा को ईश्वरी सत्ता की विराटता से युक्त बोधगम्यता की प्रगाढ़ता को अत्यधिक सहजता के साथ प्रतिपादित कर देती है जिससे आत्मिक, अस्तित्व की नैसर्गिक स्थितियों में आत्मा के स्वमान, स्वरूप स्वभाव से संबंधित स्वधर्म का आचरण युक्त, अनुकरण, अनुसरण होते ही सत्यम शिवम सुंदरम, सत्त चित आनंद सच्चिदानंद का दिग्दर्शन सुनिश्चित हो जाता है ।

“हार मानने से पहले एक और कोशिश करें, सीखने के लिए हर तरह से तैयार रहें”

पवनपुत्र हनुमानजी के जीवन की सीख

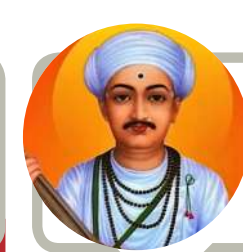

“सुख पाना चाहते हो तो दूसरों को सुख दो, जैसा बीज बोओगे वैसी खेती पाओगे।”

संत तुकाराम, महापुरुष

स्थितप्रज्ञ अवस्था को फीलिंग करना है तो इस ज्ञान को समझना होगा

वकालत की फील्ड में स्ट्रैस रिलीज करने की टेक्निक आना जरूरी

जयपुर की हाईकोर्ट एडवोकेट अंबिका देसाई ने राजयोग से जुड़े अपने अनुभवों को शिव आमंत्रण के साथ किया सांझा

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग मेडिटेशन कैसे लाइफ में गेम चैंजर साबित होता है इसका उदाहरण है हाईकोर्ट एडवोकेट अंबिका देसाई की लाइफ। पिछले 28 साल से नियमित राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस कर रहीं एडवोकेट देसाई का जीवन सादगी, सरलता, संवेदनशीलता और शांतप्रिय व्यक्तित्व की मिसाल है।

शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सांझा करते हुए कहा कि वकालत का पेशा बहुत स्ट्रैसफुल है। क्योंकि जब एक बार कोई क्लाइंट हमारे पास अपना केस लेकर आता है तो फिर उसकी समस्या हमारी समस्या हो जाती है। ऐसे में हमें अपने माइंड को शांत, स्थिर, एकाग्रचित्त रखना चुनौतीपूर्ण होता है। क्योंकि क्लाइंट की दुख और दर्दभरी कहानी ह्यूमन नेचर के कारण कहीं न कहीं हमारे मन को भी संवेदनात्मक रूप से प्रभावित करती है। लेकिन राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से मेरा मन सदा पीसफुल रहता था। कभी विचलित नहीं होती हूं। जो भी केस आता है तो उसकी जिम्मेदारी परमात्मा शिव बाबा को सौंप कर निश्चिंत हो जाती हूं। बाबा का कमाल है कि आज तक मेरा कोई भी केस डिसमिस नहीं हुआ है। आध्यात्म के प्रति लगन ही है कि जिस दिन से देसाई ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ीं तभी से हमेशा चाहे कोर्ट हो, ऑफिस या घर सफेद पोशाक में ही नजर आती हैं।

बता दें कि 4 अक्टूबर 1967 को जन्मी एडवोकेट देसाई ने एमकॉम, एलएलएम किया है। आप पीजी डिप्लोमा इन वैल्यु एजुकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्थितप्रज्ञ अवस्था को फीलिंग करना है तो ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान को समझना होगा। इससे हमें ज्ञान होता है कि मन में उच्च गुणवत्ता, श्रेष्ठ और महान विचारों को कैसे क्रिएट करें। खासकर वकालत के पेशे से जुड़े भाई-बहनों के लिए मेडिटेशन बहुत ही जरूरी है। यदि हमें अपने माइंड को पॉवरफुल बनाना है तो व्यर्थ के विचारों से मुक्त रखना होगा। मैंने जीवन में आने वाली हर असफलता को पॉजीटिव रूप में लिया।

ब्रह्ममुहूर्त से शुरू होती है दिनचर्या

देसाई ने बताया कि पिछले 28 साल से सुबह 4 बजे ब्रह्ममुहूर्त से दिनचर्या की शुरुआत हो जाती है। सबसे पहले एक घंटा राजयोग ध्यान करती हूं। ध्यान में ही अपनी सारी जिम्मेदारी और कोर्ट केस परमात्मा को सौंप देती हूं। इससे सारा दिन हल्का फील होता है। परमात्मा का कमाल है कि जो केस डायरी एक बार पढ़ लेती हूं, वह केस पांच साल बाद भी सामने आता है तो सारी बातें स्मृति में आ जाती हैं। राजयोग के कारण कोर्ट, ऑफिस, फैमिली और आध्यात्मिक जीवन सभी को बेहतर तरीके से मैनेज कर पाती हूं। परमात्मा ने नारी को स्वमान दिया है कि तुम शिव शक्ति हो। यह स्वमान सदा याद रहता है तो हर परिस्थिति में पॉवरफुल महसूस होता है।

परमात्म मिलन का चल रहा है संधिकाल

एडवोकेट देसाई ने बताया कि बचपन से ही नवरात्र के व्रत और पूजा पाठ करती थी। परमात्मा को जानने की तीव्र इच्छा थी। वर्ष 1996 की बात है तब बेटी दो साल की थी। किशनपुर बाजार में एक बोर्ड लगा था चरित्र निर्माण शिक्षण संस्थान। वहां जाकर पता चला कि यहां जीवन जीने की कला सिखाई जाती है। इस पर मैंने सात दिन का राजयोग मेडिटेशन कोर्स किया। कोर्स के दौरान ही आत्मा-परमात्मा, सृष्टि चक्र, पुनर्जन्म, ड्रामा आदि प्रश्नों के जवाब मिल गए। गीता में वर्णित परमात्म अवतरण का समय वर्तमान में चल रहा है। परमात्म मिलन की मैं साक्षी रही हूं। राजयोग में परमात्मा की दिव्य अनुभूति, सकाश और शक्ति को महसूस किया है। ब्रह्माकुमारीज़ में दिया जा रहा ज्ञान पूरी तरह से तार्किक और सत्य है। आत्मा पर लगे विकारों, पापकर्म के दाग को सिर्फ परमात्मा की याद से ही साफ किया जा सकता है। यदि हमें इस भागदौड़ भरी जिंदगी को सुकून से गुजारना है तो राजयोग मेडिटेशन से बढ़कर कुछ हो नहीं सकता है।

राष्ट्रपति से बीके भाई-बहनों ने की मुलाकात

शिव आमंत्रण, भुवनेश्वर/उड़ीसा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के भुवनेश्वर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से क्षेत्रीय निदेशिका बीके लीना दीदी, मास्को की निदेशिका बीके सुधा दीदी, मुंबई से बीके कमलेश दीदी ने मुलाकात कर संस्थान की सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान बीजेबीनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके तापस्विनी, यूनिट-8 केंद्र प्रभारी बीके दुर्गेश, मंचेश्वर केंद्र प्रभारी बीके मंजू भी मुख्य रूप से मौजूद रहीं। साथ में माउंट आबू से बीके संतोष, बीके राजेश, बीके रूपा, अलारपुर से बीके संतोष, बीके विजय, बीके प्रफुल्ल, बीके संयुक्ता भी मौजूद रहीं।

शिव जयंती महोत्सव आयोजित

पूसा (समस्तीपुर)/बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते वैज्ञानिक डॉ. आरके तिवारी, नवोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. टीएन शर्मा, अस्पताल के उपअधीक्षक डॉ. आरके सिंह, डॉ. रिम्पी सिंह, बीके सवित, बीके तरुण और डॉ. पंकज कुमार।

नवनिर्वाचित विधायक से की मुलाकात

पुणे/सांगवी। ब्रह्माकुमारीज़ सांगवी सेवाकेंद्र की निदेशिका बीके संजीवनी दीदी के नेतृत्व में पंपरी-चिंचवड़ से विधायक चुने जाने पर अश्विनीताई जगताप का अभिनंदन किया गया। इस दौरान 40 से अधिक बीके भाई-बहनों ने पहुंचकर विधायक का स्वागत किया। साथ ही मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

शिव जयंती महोत्सव में संत-महात्माओं ने लिया भाग

शिव आमंत्रण, सीतापुर/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ओर से 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें नैमिषारण्य के 65 से अधिक संत, महात्मा और जगतगुरु ने भाग लिया। वहीं माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके रामनाथ, क्षेत्रीय निदेशिका बीके सुरेंद्र दीदी, वरिष्ठ राजयोगी बीके दीपेंद्र मुख्य रूप से मौजूद रहे। संचालन वाराणसी के बीके बिपिन भाई ने किया। सीतापुर केंद्र प्रभारी बीके योगेश्वरी दीदी, बीके रश्मि, बीके ज्ञानू, बीके रेणु ने अतिथियों का तिलक, गुलदस्ता और शॉल पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर वाराणसी के बीके सोनी, बीके मनीषा, बीके तापोशी, बीके राजू, बीके गंगाधर, बीके रामेश्वर तिवारी व सीतापुर के बीके शिवराम, बीके शालिग्राम आदि ने अहम भूमिका निभाई।

परमात्मा अलौकिक जन्म लेकर अवतरित होते हैं

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजिम/छग।।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम शिव बाबा को भोग लगाया गया। शिव ध्वज फहराकर सभी को ध्वज के नीचे प्रतिज्ञा कराई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालिका बीके पुष्पा ने बताया कि विश्व की सभी महान विभूतियों के जन्मोत्सव मनाए जाते हैं, लेकिन परमात्मा शिव की जयंती को जन्मदिन न कहकर शिवरात्रि कहा जाता है, आखिर क्यों? इसका अर्थ है परमात्मा जन्म-मरण से न्यारे हैं। उनका किसी महापुरुष या देवता की तरह शारीरिक जन्म नहीं होता है। वह अलौकिक जन्म लेकर अवतरित होते हैं। उनकी जयंती कर्तव्य वाचक रूप से मनाई जाती है। जब-जब इस सृष्टि पर पाप की अति धर्मग्लानि होती है और दुनिया दुःखों से घिर जाती है तो गीता में किए अपने वायदे अनुसार परमात्मा इस धरा पर अवतरित होते हैं। इंदौर से पधारे धार्मिक प्रभाग के जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके नारायण भाई ने बताया कि शिवरात्रि हमें स्वयं का सत्य बोध कराती

है। मैं शक्तिशाली आत्मा हूं। इससे सारे निर्बल संस्कार खत्म हो जाते हैं। ज्ञान ,पवित्रता, आनंद के संस्कार जागृत हो जाते हैं। यही सच्ची शिवरात्रि है। बीके प्रिया बहन ने कहा कि जीवन में जो कांटों के समान बुराइयां हैं, गलत आदतें हैं, गलत संस्कार हैं, कांटों के समान बोल, गलत सोच को आज के दिन शिव पर अर्पण कर मुक्त हो जाएं। समाजसेवी डॉ. राजेंद्र गदिया ने भी संबोधित किया।

करेली में आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित

मातृ शक्तियों से विश्व परिवर्तन करा रहे हैं परमात्मा

शिव आमंत्रण, करेली/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र प्रभु उपहार भवन द्वारा शिव मंदिर प्रांगण विद्युत कॉलोनी मैन रोड करेली में आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें बीके प्रीति दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर अवतरण लेकर मातृ शक्तियों द्वारा विश्व परिवर्तन का कार्य करा रहे हैं। पुरुष प्रधान समाज में महापुरुषों द्वारा हुए हर श्रेष्ठ कार्य में मातृ शक्तियों की अहम भूमिका रही है। मातृशक्ति को इस धरा पर भगवान का दर्जा दिया जाता है। आज हमें पुनः एक बार अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की आवश्यकता है। अपने आपको आत्मिक रूप में स्थित कर परमपिता शिव से सर्व शक्तियां प्राप्त करने की आवश्यकता है, तभी खुशहाल महिला-खुशहाल परिवार की परिकल्पना पूरी होगी।

जिला संचालिका बीके कुसुम दीदी ने कहा कि भगवान ने सृष्टि को रचने के लिए मां को निमित्त बनाया इसलिए मां को भगवान का अवतार कहा जाता है। विश्व गुरु का आधार आध्यात्म और संस्कृति है, जिस को पुनः स्थापित करने विश्व परिवर्तन का कार्य करने स्वयं परमपिता परमात्मा स्वयंभू शिव भोलेनाथ वर्तमान संगमयुग की बेला पर नारी को शिवशक्ति बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ बहनों को निमित्त बना कर स्वर्णिम युग की स्थापना का कार्य कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ निरंतर समाज में आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए प्रयासरत रहती है। मातृ शक्तियों को सशक्त करने का कार्य संस्था द्वारा हो रहा है। नपा अध्यक्ष सुशीला ममार, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीदेवी बनवारी, जिला अध्यक्ष बीजेपी महिला मोर्चा निशा सोनी भी उपस्थित रहीं।

आर्ट गैलरी म्यूजियम में शिवरात्रि मनाई

आगरा/उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ आर्ट गैलरी म्यूजियम और आसपास की गीता पाठशालाओं पर महाशिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भाजपा नेता सतीश त्यागी, धौलपुर नगर परिषद चैयरमेन खुशबू सिंह, हरिओम शर्मा, चौधरी जबर सिंह, समाजसेवी कल्काप्रसाद, ब्लॉक प्रमुख उत्तम सिंह, डॉ. प्रीति सिंह, केंद्रीय विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल कुसुम बहन, सीओडी सुपरवाइजर विनोद भाई मुख्य रुप से मौजूद रहे। ब्रह्माकुमारी बीके मधु और बीके संगीता, बीके माला, बीके सावित्री, बीके. रेखा, बीके वीरेंद्र ने संबोधित करते हुए शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस दौरान बीके विजय भाई, महावीर सिंह भाई, कालीचरण भाई भी मौजूद रहे।

शिव अवतरण आध्यात्मिक मेला में उमड़े श्रद्धालु

अंबिकापुर/छग। ब्रह्माकुमारी कलाकेन्द्र मैदान में महाशिवरात्रि पर शिव अवतरण आध्यात्मिक मेला आयोजित किया गया। शुभारंभ खाद्य, योजना, आर्थिक-सांख्यिकी एवं संस्कृति विभाग मंत्री अमरजीत भगत ने रिबन काटकर किया। इस दौरान महापौर डॉ. अजय कुमार तिर्की, पार्षद आलोक दुबे, पूर्व महापौर प्रबोध मिंज, स्वामी तन्मयानन्द विवेकानन्द स्कूल की डायरेक्टर रीनू जैन, केआर टेक्निकल कॉलेज के डायरेक्टर राहुल जैन, आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी मुख्य रुप से मौजूद रहे। सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा कि महाशिवरात्रि परमात्म अवतरण का यादगार है। मेले में शिवलिंग की 40 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई थी। संचालन बीके प्रतिमा ने किया। सप्ताहभर चले मेले में झांकी देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

बैतूल : मन को सर्वशक्तिवान ईश्वर में लगाएं तो शक्तिशाली हो जाएगा

बैतूल/मप्र। हमारा मन हमारे लिए निरंतर काम करता रहता है। हम उसे जैसा कहते हैं वैसा चलता है। कई बार मन के बारे में हम कई नकारात्मक बातें करते हैं। कभी उसे शत्रु कहते हैं तो कभी दुष्ट कहते हैं। वास्तव में मन दुष्ट नहीं बल्कि वह हमारा दोस्त है। मन को अकेला मत छोड़िए। वास्तव में मन हमारा सच्चा साथी है जो हमारी जीवन के अंतिम घड़ी तक हमारा साथ निभाता है। आवश्यकता है उसे समझने की और सुमन बनाने की। उक्त उद्गार दिल्ली से पधारीं ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा दीदी ने व्यक्त किए। भाग्य विधाता भवन में सशक्त मन से सफल जीवन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वह संबोधित कर रहीं थीं। बैतूल-हरदा क्षेत्र के सांसद डीडी उइके, एसडीओपी श्रृष्टि भार्गव सहित एक हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू बहन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अच्छे कार्यों को बढ़ावा दे रही है ब्रह्माकुमारी संस्था : विधायक पांडेय

बिलासपुर/राजकिशोर नगर। शिव-अनुराग भवन, राज किशोर नगर में धूमधाम से महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे महाप्रबंधक आलोक कुमार जैन, मनिता जैन, विनोद पाण्डेय, ममता पाण्डेय उपस्थित हुए। विशेष झांकी दर्शन के लिए पधारे विधायक शैलेष पाण्डेय ने कहा जैसे दिन और रात है वैसे ही समाज में अच्छे व बुरे दोनों कार्य होते हैं। नकारात्मक खबर तो हमें अखबार खोलते ही दिखने लगती है। हमें, सबको सही रास्ते पर ले जाने का प्रयास करना है और बुराई पर अच्छाई की जीत करानी है। अच्छे कार्यों को फैलाने का दायित्व ब्रह्माकुमारी बहनें सबसे अच्छे से निभा रही हैं। क्रेडाई के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव विशेष रूप से मौजूद रहे। बीके मंजू बहन ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया।

मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

बेतिया/बिहार। बेतिया मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके अंजना बहन ने कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थियों को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुधा बहन, संजय भाई, बीके राकेश भाई, बीके चांदनी बहन और बीके सोनी बहन ने सहयोग किया।

87वीं शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया

भरतपुर/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 87वीं शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बीके कविता दीदी ने शिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान सिद्धपीठ श्रीलालजी महाराज मंदिर खोहरी के पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी कौशल किशोर दास महाराज, जिला परिषद से श्रीनिधि बीटी, पीएमओ हॉस्पिटल की जिज्ञासा साहनी, जिला अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष अनुराग गर्ग, रुपबास सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बबीता, बीके पूनम बहन, बीके गीता बहन, बीके प्रवीना बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

मन में समस्याओं का समाधान करने की क्षमता

भोपाल/मप्र। सदा मजबूत संकल्पों का ही बार-बार स्मरण करें तो वे ताकत बनकर जीवन को संवारने में मददगार बनेंगे। मन के संकल्पों में ही जीवन की सारी समस्याओं का समाधान निहित है। उक्त विचार यूएसए से पधारे मन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके कुसुम दीदी ने ब्लैसिंग हाउस में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके ऋचा दीदी ने एक्सरसाइज कराई।

32 गांवों में शोभायात्रा से दिया शांति और प्रेम का संदेश

नकारात्मकता से मुक्त होना ही सच्चा व्रत रखना है: आशा दीदी

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम/हरियाणा।

महाशिवरात्रि हमें शांति और प्रेम का संदेश देती है। इसको विष तोड़क पर्व भी कहा जाता है। क्योंकि परमात्मा शिव ही मानव के अंदर के पांच विकारों को भस्म करते हैं।

उक्त विचार ओआरसी में महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में निदेशिका आशा दीदी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कलियुग के अंत समय संगमयुग पर अवतरित होकर शिव परमात्मा नई स्वर्णिम, सतयुगी दुनिया की स्थापना करते हैं। वर्तमान समय महापरिवर्तन का समय चल रहा है। इस समय पुनः स्वयंभू शिव परमात्मा ब्रह्मा बाबा के साकार माध्यम से अपना दिव्य कर्तव्य कर रहे हैं। व्यर्थ और नकारात्मक विचारों से मुक्त होना ही वास्तव में सच्चा व्रत है।

स्वयं को पावन बनाना ही महाशिवरात्रि का असली लक्ष्य है। कार्यक्रम में विदेश से आए संस्था के अनेक सदस्यों ने अपना अनुभव भी सांझा किया। इस दौरान परमात्मा शिव का स्मृति स्वरूप ध्वज लहराया गया और सभी को जीवन से बुराइयों का त्याग कर गुणों को अपनाने की प्रतिज्ञा कराई गई। शिवरात्रि महोत्सव के तहत 32 गांवों में शोभायात्रा के माध्यम से भी शांति और प्रेम का संदेश दिया। संचालन बीके फाल्गुनी एवं बीके सुनैना ने किया।

ब्रेन को पॉजीटिव विचार से भरो तो निगेटिव स्वत: निकल जाएंगे

राजयोग द्वारा वर्तमान स्थिति में तनाव मुक्त जीवन आध्यात्मिक महासम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, करनाल/हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा राजयोग द्वारा वर्तमान स्थिति में तनाव मुक्त जीवन विषय पर आध्यात्मिक महासम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता राजयोगिनी ऊषा दीदी ने कहा कि कलियुग में हर कोई तनाव में जी रहा है। जब आध्यात्मिक शक्ति आत्मा कमजोर हो जाती है तो भौतिक शरीर की इम्युनिटी कम हो जाती है।

इम्युनिटी कम होना ही तनाव का कारण बन जाता है। पॉजीटिव सोच रखने से टेंशन कम हो जाती है। जब सुबह वॉट्सएप पर शुभ विचार आता है, हम उस पर मनन करने की अपेक्षा आगे भेज देते हैं। मनुष्य स्वयं डिप्रेशन में जी रहे हैं, जिसका मुख्य कारण नकारात्मक सोच है। प्रातः काल व रात्रि के समय कम से कम 20 से 30 मिनट ध्यान योग लगाओ। राजयोग मेडीटेशन सीख कर प्रतिदिन करो। उचित न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट द्वारा तनाव मुक्त रहा जा सकता है। हम एक दूसरे को टालरेट नहीं कर पाते। बेमतलब सालों पुरानी बातों को करते रहते हैं। बेकार की बातों को पकड़े रखते हैं। ब्रेन को पॉजीटिव विचार से भरो तो नेगेटिव विचार स्वतः निकल जाएंगे। मोबाइल की बैटरी की तरह अपनी आत्मा की बैटरी को राजयोग मेडीटेशन द्वारा प्रतिदिन चार्ज करो।

ये भी रहे मौजूद– कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेयर रेणु बाला गुप्ता, सीएम प्रतिनिधि संजय बठला मौजूद रहे। सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेम दीदी ने आभार व्यक्त किया। सिस्टर पूर्णिमा प्रसिद्ध कथक नृत्यकार ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। बीके भाई मेहरचंद, पार्षद मुकेश अरोड़ा, पार्षद मेघा भंडारी, सहारनपुर से आई संगीता दीदी, बीके शिखा दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

राजिंदर नगर, जम्मू: शिव जयंती महोत्सव मनाया

जम्मू। ब्रह्माकुमारीज़ 248-ए सेवाकेंद्र बीके रोड जम्मू के सहयोग से चरित्र निर्माण भवन राजिंदर नगर बन तालाब में शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू के स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. रविशंकर शर्मा, एसएसपी आपरेशन बारामूला राकेश परिहार और स्थानीय कॉर्पोरेट कपिल चिब ने भाग लिया। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख प्रभारी बीके सुदर्शन ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस दौरान बीके सुदर्शन, बीके रविंदर, बीके रोमल सिंह, बीके सुरेंद्र, बीके सुषमा, बीके नीरू, बीके आशा, बीके सुदेश, बीके शारदा, बीके रजनी, बीके अंजू सहित अन्य भाई-बहनों मौजूद रहे। बीके कुसुम, बीके लता ने आभार माना।

परमात्मा एक हैं, हम सभी उनकी संतान हैं

छतरपुर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ विश्वनाथ कॉलोनी द्वारा 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैलजा दीदी ने शिव जयंती का महत्व बताते हुए कहा कि आज जीवन में सुख-शांति की आवश्यकता है। परमात्मा एक है, हम सभी उसकी संतान हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रमा बहन ने अतिथियों का धन्यवाद किया। कुमारी पूर्वी ने शिव पिया साथ हैं गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। परमपिता शिव परमात्मा का झंडा फहराया और सभी ने ईश्वरीय मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा की।

आध्यात्मिक गीतों से बांधा समां

फरीदाबाद/हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेक्टर 21-डी में गीतों भरी शाम परमपिता परमात्मा के नाम शिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नागपुर के बीके अविनाश भाई ने बहुत ही सुंदर आध्यात्मिक गीतों की प्रस्तुति दी। अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य महिला आयोग की रेनू भाटिया, जीएसटी कमिश्नर प्रमोद भाई उपस्थित रहे। सेक्टर-19 की संचालिका बीके हरीश दीदी ने शिव जयंती का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि हमें अपने अंदर की बुराइयों का व्रत रखना है। सेक्टर 21-डी की संचालिका बीके प्रीति दीदी ने आभार व्यक्त किया। संचालन बीके रंजना दीदी ने किया।

कलश लेकर चलीं बहनें

धर्मशाला/हिमाचल प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा शिव जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। बीके कमलेश ने शिव ध्वज फहराकर सभी को प्रतिज्ञा कराई। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त डेप्युटी डायरेक्टर सरवचंद, सेवानिवृत्त प्राचार्य कमलेश भाई, बीके मीनाक्षी, बीके वंदना, बीके पावन , बीके निशा, बीके पूजा, बीके ज्योत्सना, बीके सुनीता ने अपने विचार व्यक्त किए।

चैतन्य झांकी से दिया संदेश

मुंद्रा कच्छ (गुजरात)। 87वीं महाशिवरात्रि महोत्सव पर शिव शंकर की चैतन्य झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शुभारंभ नपा प्रमुख किशोर परमार ने किया। शोभायात्रा दौरान शिवसंदेश एवं शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताकर लोगों को परमात्मा के दिव्य अवतरण के बारे में बताया गया।

नशामुक्ति प्रदर्शनी लगाई

हिसार/हरियाणा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित गीता जयंती महोत्सव में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा नशा मुक्ति पर प्रदर्शनी लगाई गई और नृत्य नाटिका आयोजित की गई। इस दौरान मेयर गौतम सरदाना ने बीके बहनों को भागवत गीता व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कमिश्नर गीता भारती, विधायक रणबीर गंगवा, अधिकारीगण उपस्थित रहे।

झांकी बनी आकर्षण

मिलाई/छग। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा तालपुरी इंटरनेशनल कॉलोनी बी ब्लॉक मोगरा, शिव मंदिर प्रांगण में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी एवं लाइट एंड साउंड से पहाड़ों पर बहते झरने में ज्योतिर्लिंग के प्रकट होने की झांकी सजाई गई जो सभी के आकर्षण का केंद्र रही। परमात्मा का संदेश देने के लिए साइकिल यात्रा, पदयात्रा निकाली गई।

शिव ध्वज फहराया

टिकरी/गया (बिहार)। सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में महापौर अजहर इमाम, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव जितेंद्र मोहन चंद्रवंशी, राजयोगिनी शीला दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

नृत्य से मोहा मन

रांची/झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शिवरात्रि महोत्सव मनाया गया। इस दौरान संचालिका बीके निर्मला दीदी, राम कृष्णा मिशन के सचिव स्वामी भवेशानंद, आईआईएम के निदेशक दीपक श्रीवास्तव, रांची सीमेंट के एमडी सुनील श्रीवास्तव, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, देवाशीष चक्रवर्ती, प्रो. डॉ. विनोद नारायण मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समागम....

हमें खुशहाल परिवार बनाने के लिए विनम्र बनना होगा

शिव आमंत्रण, इंदौर (छावनी)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ छावनी केंद्र द्वारा खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाजसेवी महिलाओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ता बीके मधु दीदी ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदियों से नारी को पुरुषों से भी अधिक सम्मान दिया गया है। पहले लक्ष्मी फिर नारायण, पहले सीता फिर राम का नाम लेते हैं। किंतु समय के चलते महिला ही महिला को पीछे करने में और अपने उद्देश्य को भूलने लग गई। महिला ही समाज की धुरी है। माता ही बच्चे की प्रथम गुरु है। यदि ठान लें तो अच्छे भावों और प्रयासों से हम महिलाएं समाज को आदर्श समाज का स्वरूप दे सकती हैं। जब भी कोई नारी या अन्य हमें पीछे करने का प्रयास करें तो हमें याद रखना है- झुक-झुक, मर-मर, सीख-सीख अर्थात् हमें खुशहाल परिवार बनाने के लिए विनम्र बनना है। आलोचनाओं आदि को सहन करना है और सदा कुछ अच्छा सीखने का प्रयास करना है। इससे निश्चित ही एक सद्भाव पूर्ण समाज का निर्माण कर सकेंगे।

लीनेश क्लब की जिला प्रमुख रचना गुप्ता ने कहा कि हमें हर छोटे-छोटे कार्यों को बहुत ही अच्छे ढंग से करना चाहिए। हम परिवार के अन्य सदस्यों का तो ध्यान रखते हैं लेकिन अपना ध्यान नहीं रख पाते एक खुशहाल परिवार के निर्माण के लिए अपने स्वास्थ्य व मन का भी ध्यान रखें। छावनी सेवाकेंद्र की प्रमुख बीके कुसुम ने कहा कि सदा खुश रहने के लिए धीरज, प्रेम और शांति की तीन टेबलेट रोज खाएं। इस दौरान प्रीमियम क्लब प्रमुख कुसुम तिवारी, मंगलम क्लब प्रमुख रेखा अग्रवाल, सर्व ब्राह्मण समाज प्रमुख वर्षा शर्मा, गौड़ ब्राह्मण समाज प्रमुख मंजुला मंडलोई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके लीसा ने योग की गहन अनुभूति कराई। बीके ज्योत्सना मंच संचालन किया।

नारी असीम शक्तियों का भंडार हैः बीके मंजू

शिव आमंत्रण, बैतूल/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्य विधाता भवन में महिला दिवस पर सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू बहन ने कहा कि आज नारी को शक्तिशाली बनने की आवश्यकता नहीं वो पहले से ही असीम शक्तियों का भंडार है। परमात्मा ने उसके अंदर कई आंतरिक, आध्यात्मिक शक्तियां और विशेष गुण भरे हैं। बस आवश्यकता है उसे पहचान कर उन गुणों और शक्तियों को खुशहाल जीवन एक खुशहाल परिवार और खुशहाल संसार बनाने में लगाना होगा।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, एसडीओपी श्रृष्टि भार्गव, थाना प्रभारी रानीपुर अपाला सिंह, पूर्व सदस्य राज्य महिला आयोग गंगा उईके, डीआईडी सुपर मॉम की साधना मिश्रा, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में नामित विद्या निर्गुणकर, अखिल भारतीय विप्र महासभा प्रदेशाध्यक्ष की प्रेरणा शर्मा, सारणी से बीके सुनीता बहन मुख्य रूप से उपस्थित थे। समापन पर सभी ने होली मिलन समारोह मनाया।

नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो...

शिव आमंत्रण, सादाबाद (उप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतरास्ट्रीय महिला दिवस पर खुशहाल महिला-खुशहाल परिवार विषय पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि राजस्थान ब्यावर से आईं सिविल जज नीतू सिंह ने कहा कि नारी अपने अंदर की शक्ति को जगा ले तो वह ऊर्जावान बन सकती है। नारी अंदर से शक्तिशाली होगी तभी घर स्वर्ग बनेगा। महिलाओं पर परिवार व समाज की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण उसका परिवार होता है। आजकल डिप्रेशन व सुसाइड रोज की बात हो गई है। आज महिला जितनी तनाव में है पुराने समय में उतना तनाव में नहीं होती थी। महिलाओं को इस डिप्रेशन व तनाव से मुक्ति पाने के लिए अपनी खुशी अपने अंदर ढूंढने की जरूरत है। महिलाओं को हर परिस्थिति में अपने अन्दर एक ऐसी चीज जरूर ढूंढनी चाहिए जिससे आपको खुशी मिलती हो ।

जनपद प्रभारी राजयोगिनी सीता दीदी ने कहा कि नारी तुम प्रेम हो, आस्था हो, विश्वास हो टूटी हुई उम्मीदों की एकमात्र आस हो। हर जान नहीं तुम ही तो आधार हो नफरत की दुनिया में मात्र तुम ही प्यार हो। उठो नारी अपने अस्तित्व को संभालो केवल एक दिन ही नहीं हर दिन नारी दिवस मना लो।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके भावना बहिन ने कहा कि देखा जाए तो दुनिया में तीन डिपार्टमेंट धन, शक्ति और विद्या का बड़ा महत्व है। यह तीनों ही डिपार्टमेंट मातृशक्ति के पास हैं। महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल मंजेशलता, समाजसेवी गीता गौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। स्कूल के बच्चों ने झांसी की रानी पर आधारित सुंदर नाटक पेश किया। मंच संचालन बीके सीमा ने किया। कार्यक्रम के अंत में होली उत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य राजीव शर्मा, हाईकोर्ट के वकील शैलेश चौधरी, सासनी से बीके शोभा बहिन, मुरसान से बबीता बहिन, बीके मिथलेश बहिन, बीके राधा बहिन, बीके पूजा बहिन, बीके रेनू बहिन, बीके रश्मि बहिन आदि उपस्थित रहे।

खंडवा में तीन दिवसीय योग भट्टी आयोजित

खंडवा/मप्र। भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र द्वारा तीन दिनी योग-तपस्या भट्टी आयोजित की गई। इसमें बीके कैलाश दीदी ने सभी ब्रह्मा वत्सों को ज्ञान, योग और तपस्या के अनुभवों से भरपूर किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शक्ति दीदी ने भट्टी में बताई गई बातों को जीवन में धारण करने का आह्वान किया। इस दौरान बीके राजू भाई, बीके किरण, बीके मनीषा भी मौजूद रहीं।

शिवदर्शन भवन समाज के नाम समर्पित

गुमला (झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित शिवदर्शन भवन सेवाकेंद्र का उद्घाटन सांसद सुदर्शन भगत, गृह एवं आपदा प्रबंधन की उप सचिव सुश्री सरिता दास, माउंट आबू से पधारे वरिष्ठ राजयोगी बीके राजू भाई, बीके रुक्मिणी दीदी, बीके मुन्नी दीदी, बीके कुलदीप दीदी, बीके लीना दीदी, बीके नाथमल भाई, बीके शांति दीदी सहित अन्य बहनों ने किया।

घर बने मंदिर विषय पर कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर/मप्र। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाएं नए भारत की ध्वजवाहक थीम के अंतर्गत घर बने मंदिर विषय पर सकल जैन महिला समाज की बहनों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें इन्दू जैन (अध्यक्ष जैन मिलन महिला महानगर परिषद), रेखा पटौदी (आंसू पोछ मुस्कान प्रोजेक्ट, प्रांतीय अध्यक्ष अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद), मिट्ठू सेठी (संभागीय अध्यक्ष), निर्मल जैन (फालका बाजार, क्षेत्रीय कार्यकारी सदस्य जैन मिलन), बीके भगवती, लश्कर सेवाकेंद्र संचालिका आदर्श दीदी, बीके महिमा, आशा सिंह (समाज सेविका), बीके जीतू उपस्थित रहे ।

भगवान ने नारी को सबसे शक्तिशाली बनाया है

खजुराहो/मप्र। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार और होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही जैन समाज की महिलाओं के लिए जैन मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। बीके नीरजा दीदी ने विद्यालय का परिचय दिया। खजुराहो सेवाकेंद्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने कहा कि आज के समय में हम समाज को दोषी न बनाएं बल्कि यह जिम्मेवारी हम सब की है। हम सबने ही इस समाज को ऐसा बनाया है अतः हमें ही समाज को परिवर्तन भी करना होगा। महिलाओं के अंदर बहुत शक्ति है। भगवान ने सबसे ज्यादा शक्तिशाली, सहनशील बनाया है।

नवनिर्वाचित परिषद पदाधिकारियों का किया सम्मान

मोकामा/बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नगर परिषद प्रांगण में नवनिर्वाचित सदस्यों और कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रखण्ड प्रमुख भवेन्द्र सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी मुकेश कुमार, सभापति नीलेश कुमार माधव, उपसभापति नीतू देवी, कार्यपालक सहायक संजीव कुमार, ब्रांड एंबेसडर छितेन्द्र सिंह और पार्षदगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।सेवाकेन्द्र संचालिका बीके निशा बहन, बाढ सेवाकेन्द्र संचालिका बीके ज्योति बहन, बड़हिया सेवाकेन्द्र संचालिका बीके रोशनी बहन, वरिष्ट राजयोगी बीके विपिन भाई और अनेक बीके सदस्य उपस्थित रहे।

दादीजी का मूलमंत्र था- पवित्रता और सादगी जीवन का सर्वश्रेष्ठ शृंगार है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

दादीजी का स्वभाव बचपन से ही शांत और गंभीर था। वह योग की प्रतिमूर्ति थीं। वह दिन-रात योग में ही मग्न रहती थीं। उन्होंने खुद को योग-तपस्या से इतना मजबूत, सशक्त और शक्तिशाली बना लिया था कि उन्हें बीमारी में दर्द का अहसास नहीं होता था। दादीजी के जीवन का मूलमंत्र था कि पवित्रता और सादगी जीवन का सर्वश्रेष्ठ शृंगार है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने व्यक्त किए। पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी) की द्वितीय पुण्यतिथि पर देशभर से आए लोगों ने योग-तपस्या के माध्यम से अपनी पुष्पांजली अर्पित की। डायमंड हॉल में आयोजित

श्रद्धांजली सभा में उन्होंने कहा कि दादीजी को दिव्य बुद्धि का वरदान मिला हुआ था। उन्होंने 50 साल तक लाखों लोगों को परमात्म संदेशवाहक बनकर ईश्वरीय अनुभूति कराई। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका मोहिनी दीदी ने कहा कि खुद को बहुत भाग्यशाली समझती हूं कि मुझे दादीजी के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसी दिव्य आत्माएं खुद के साथ अनेकों के जीवन को बदलने के निमित्त बनती हैं। बता दें कि राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी का 11 मार्च 2021 को देवलोकगमन हो गया था। उनकी याद में बने अव्यक्त लोक में उनके जीवन की शिक्षाओं को अंकित किया गया है। सबसे पहले मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने दादीजी को पुष्पांजली अर्पित की। महासचिव राजयोगी बीके निर्वैर भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. बीके निर्मला दीदी, मीडिया निदेशक बीके करुणा सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी संबोधित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ब्रह्माकुमारीज़ में चरित्रवान बनने की दिशा दी जा रही

शिव आमंत्रण, झोझूकलां (हरियाणा)।

ब्रह्माकुमारीज़ झोझूकलां शाखा द्वारा सेठ किशनलाल वाले मंदिर में खुशहाल महिला खुशहाल परिवार विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा के महिला विकास निगम की चेयरमैन दंगल गर्ल बबीता फोगाट ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में चरित्रशील, विवेकशील समाज बनाने की नई दिशा दी जा रही है यह बड़े गौरव की बात है। इससे लोगों का जीवन बदल रहा है।

चंडीगढ़ से पधारीं बीके कविता दीदी ने कहा कि महिला नैतिकता और चारित्रिक मूल्यों से संपन्न होनी चाहिए जो हमें अध्यात्मिकता

सिखाती है। क्योंकि महिला परिवार व समाज की धूरी है। वसुधैव कुटुंबकम का नारा महिला ही मजबूत कर सकती है अपने परिवार बच्चों को सुसंस्कारित बना सकती है। अगर हर परिवार एक आदर्श परिवार बन जाए तो समाज का स्वरूप अपने आप बदल जाएगा। क्षेत्रीय प्रभारी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने आभार व्यक्त किया। कुमारी साक्षी, दीक्षा, प्रमिला ने स्वागत नृत्य व यह भारत की बेटियां गीत प्रस्तुत किए। संचालन झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने किया।

सागर के ईशुरवारा में शिव ध्वजारोहण : सागर, खुरई, बीना से पहुंचीं ब्रह्माकुमारी बहनें-

सभी के प्रति शुभभावना-शुभकामना रखें

सागर(मप्र)। आध्यात्मिकता स्वयं की रुचि, पुरुषार्थ और लगन से ही संभव है। आत्मा में सत्य से शक्ति आती है। इस विद्यालय में आत्मा को सुंदर पवित्र बनाने की शिक्षा दी जाती है। हम हर एक अपने जीवन के मालिक बनें। योगी बनना अर्थात् योग्य बनना। भगवान के बच्चे कहलाने लायक बनना। खुद के जीवन को सुधार कर दूसरों के लिए शुभभावना रखें। हम ईश्वर के बच्चे हैं इस स्वमान में रहने की जरूरत है। उक्त उद्गार सागर से पधारीं बीके छाया दीदी ने व्यक्त किए। ग्राम ईशुरवारा की ब्रह्माकुमारीज़ गीतापाठशाला में शिव ध्वजारोहण किया गया। शिव झंडावंदन पूर्व जनपद अध्यक्ष सुदामा प्रसाद राय, खुरई से शिवकुमार भाई सहित सभी दीदियों ने किया। बीना से पधारीं बीके सरोज दीदी, खुरई से पधारीं बीके किरण दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।। बीके जानकी दीदी ने सभी को शिव ध्वज के नीचे संकल्प कराया कि सभी के प्रति शुभभावना-शुभकामना रखेंगे। इस मौके पर राहतगढ़ से बीके नीलम दीदी, गौरझामर से बीके लक्ष्मी दीदी, मालथौन से बीके खुशबू दीदी, बीके दीपू दीदी, रामसहांय साहू, सुखलाल साहू, जल कार्य समिति अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा, राजकुमार साहू, उपसरपंच प्रतिनिधि पुरुषोत्तम साहू मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जयपुर में आईएएस अधिकारियों को दिया निमंत्रण

जयपुर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू में होने वाली प्रशासक विंग की नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए मुख्यालय संयोजक बीके हरीश ने जयपुर पहुंचकर आईएएस, आईपीएस और मंत्रालय को अधिकारियों को निमंत्रण दिया। इस मौके पर प्रभाग की वरिष्ठ सदस्य भाई-बहनें भी मौजूद रहे।

चरोदा भिलाई में महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

चरोदा-भिलाई (छग)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर बीके शिवानी दीदी, बेमेतरा से डॉ. चन्द्रकिरण, मिस इंडिया इंटरनेशनल 2022 स्नेहा गिरी, नगर पालिका अध्यक्ष निर्मल कोसरे, समाज सेविका रीतू गिरी, गंगोत्री स्कूल चरोदा की प्राचार्या अंजू राजपूत, बीके किरण बहन एवं बीके रवि बहन मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

अपना रिमोट कंट्रोल किसी और को न दें: बीके नलिनी दीदी

घाटकोपर (मुंबई)। ब्रह्माकुमारीज़ योग भवन घाटकोपर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हैप्पी वुमन-हैप्पी फैमिली कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सबजोन निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी डॉ. नलिनी दीदी ने कहा कि अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए किसी को रिमोट कंट्रोल न दें। अब मानसिकता में क्रांति लाने का समय आ गया है। मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके निकुंज ने भी विचार व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से किया गया पौधारोपण

खिरकिया-हरदा (मप्र)। मध्यप्रदेश में चल रही विकास यात्रा के समापन पर कृषि मंत्री कमल पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह खनूजा द्वारा नगर में सात ब्रांड एंबेसडर में से ब्रह्माकुमारीज़ उप सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उषा बहन को भी नियुक्त किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों ने नगर के गौमुख धाम में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी भगवती दीदी की स्मृति में पौधारोपण किया।

महाशिवरात्रि: शिव ध्वजारोहण कर दिलाया संकल्प

कहतरवा/शिवहर (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ के कहतरवा सेवाकेंद्र पर 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता दीदी ने शिव ध्वजारोहण कर सभी भाई-बहनों को शिव ध्वज के नीचे जीवन में सद्गुण अपनाने, सदा सभी के प्रति शुभभावना, शुभकामना रखने का संकल्प कराया। समापन पर ब्रह्माभोजन का आयोजन हुआ।

प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने दिया मंत्र-

मन की स्थिति का आधार है खुशी

शिव आमंत्रण, बहादुरगढ़/हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से एच एल सिटी में हैप्पी एंड हेल्दी लाइफ विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि स्वस्थ तन का निर्माण स्वस्थ मन से होता है और स्वस्थ मन का निर्माण सकारात्मक सोच से होता है । जिस प्रकार हम विचार करते हैं उसका प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है । बाहर की कोई भी स्थूल चीज मुझे खुशी नहीं दे सकती, परंतु यह तो हमारे मन की स्थिति का नाम है। उन्होंने बताया अध्यात्म कोई सामान्य जीवन से अलग नहीं है ,परंतु कोई भी कार्य करते सही सोच, सही बोल, सही कर्म करना ही आध्यात्म है। हम जब भी भोजन बनाते हैं या खाते हैं अगर उसे परमात्मा की याद में स्वीकार किया जाए तो वह सामान्य भोजन प्रभु प्रसाद में परिवर्तित हो जाता है।

उत्सव मनाना अर्थात उत्साह में रहना। व्रत माना बुराइयों का व्रत रखना अर्थात बुराइयों से दूर रहना। जैसे शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में हम निराकार ज्योति स्वरूप परमात्मा पर कुछ न कुछ अर्पण करते हैं तो शिवानी दीदी ने सभी से एक बुराई छोड़ने का संकल्प कराया। शिवरात्रि के उपलक्ष में निराकार ज्योति स्वरूप शिव पिता परमात्मा का ध्वज फहराया गया। साथ ही सभी को शिवरात्रि में छिपे आध्यात्मिक रहस्यों के बारे में गहराई पूर्वक बताया।

बहादुरगढ़ की संचालिका बीके अंजली दीदी, ब्रह्माकुमारी बीके विनीता, बीके रेनू, बीके अमृता, बीके संदीप सिंघल, बीके सुरेश, बीके सुरेंद्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहर के प्रमुख इंडस्ट्रियलिस्ट पवन जैन, जग्गा भाई, समाजसेवी श्रीनिवास गुप्ता, विनय भाई, एचएल सिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश जून एवं शैलजा जून, नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी, पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी आदि उपस्थित रहे।

शिव आमंत्रण, राजकोट/गुजरात। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुजरात जोन की निदेशिका बीके भारती दीदी को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुषमा स्वराज अवॉर्ड-2023 से सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रदेश भाजपा मंत्री बीनाबेन आचार्य, डॉ. दर्शिताबेन शाह भी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, दुबई/यूएई। भारत के प्राचीन राजयोग का प्रसार व प्रचार करने के लिए डॉ. बीके दीपक हरके को इंटरनेशनल इमीनेंस एक्सीलेंस अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह दुबई के रेडिशन ब्ल्यू होटल में संपन्न हुआ। संयुक्त अरब अमीरात के पर्यावरण और जल मंत्रालय के पूर्व मंत्री डॉ. मोहम्मद सईद अल किंदी ने यह सम्मान डॉ. हरके को प्रदान किया। इस ब्रह्माकुमारीज़ के दुबई सेवाकेंद्र से बीके शिल्पा दीदी, बीके संजय भाई भी मौजूद रहे। बीके शिल्पा दीदी ने सभी से राजयोग सीखने का आह्वान किया।

नव निर्वाचित सरपंच, उपसरपंच का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, रीवा/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ के शांति धाम में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम संस्कृत की ओर कार्य योजना के तहत जिले के नवनिर्वाचित सम्मानीय सरपंच और उपसरपंचों को सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया। इसमें 50 से अधिक सरपंच और उपसरपंच ने भाग लिया। सरपंचों ने अपने-अपने ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक पौधारोपण करने, अपने गांव को नशा मुक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। गोकुल गांव बनाने के लिए भी प्रयास करने पर जोर दिया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। बीके प्रकाश ने संचालन किया।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर/टिकरापारा। महिला दिवस पर माउण्ट लिटरा जी स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ के टिकरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अभिजीत रायजादा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीकान्त गिरि ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही नारी शक्तियों का सम्मान किया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर डॉ. विनोद तिवारी, डॉ. संजना तिवारी एवं प्राचार्य शुभदा जोगलेकर एवं स्कूल के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संकल्प शक्ति श्रेष्ठ तो जीवन भी श्रेष्ठ

हेलीपेड कॉलोनी में ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला का अलौकिक होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

शिव आमंत्रण, लश्कर/ग्वालियर।

ब्रह्माकुमारीज़ लश्कर सेवाकेंद्र द्वारा हेलिपैड कॉलोनी में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। बीके डॉ. गुरचरण भाई ने कहा कि हम सभी साधारण नहीं विशेष हैं। हम सभी के अन्दर कई सारी विशेषताएं भरी हुई हैं। क्योंकि परमात्मा की शक्तियों से रोज़ हम स्वयं को भरपूर करते हैं। मैं उनकी संतान हूँ तो जब यह शक्तिशाली संकल्प हम करते रहेंगे तो असाधारण और कमज़ोर संकल्प स्वतः ही समाप्त हो जायेंगे। संकल्प शक्ति का हमारे जीवन पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इसलिये श्रेष्ठ संकल्प से हम अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं ।

सेवाकेंद्र संचालिका बीके आदर्श दीदी ने कहा कि सभी त्योहार हमें सर्व के प्रति सहयोग, स्नेह और सम्मान की भावना रखना सिखाते हैं। आज हम सभी यह पक्का करें कि चाहे जीवन में कोई भी परिस्थिति आ जाए। हर समय हम सकारात्मक ही सोचेंगे। ऐसा करने पर आप अपने जीवन को बेहतर तरीके से जी सकते हैं। अंत में सभी को राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर कॉलोनी से अंकित, रेखा, मोहिता, पंकज सहित कॉलोनी के अनेकानेकानेक भाई एवं बहनें उपस्थित रहे।

शिव आमंत्रण, पन्ना (मप्र)। होली पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता बहन ने मुलाकात कर चर्चा में कहा कि जब हम श्रेष्ठ संकल्प करते रहेंगे तो असाधारण और कमज़ोर संकल्प स्वतः ही समाप्त हो जायेंगे। संकल्प शक्ति का हमारे जीवन पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं से मंत्री सिंह को रुबरु कराते हुए संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू पधारने का भी निमंत्रण दिया।

पिछले अंक से क्रमशः

समस्या- समाधान

रोज सुबह उठते ही खुद को श्रेष्ठ स्वमानों से भरपूर कर दें

राजयोगी बीके सूर्य
वरिष्ठ राजयोग शिक्षक

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राज.।

हम समय के उस दौड़ पर पहुंच गए हैं बाबा ने बहुत पहले कह दिया था जब कल्प का अंत समय बहुत नज़दीक आएगा तो सभी के कर्म-विकर्म जागृत होंगे। रात को सोने नहीं देंगे, उसे मानसिक रोग बढ़ जाएगी और ये दुनिया बुरी हालत में पहुंच जाएगी। ज्यादा सोचने की आदत भय पैदा कर रही है। भय संसार को अपनी जकड़ में लेता जा रहा है। जो अपने को शिव शक्ति मानेगा वो शिव शक्ति बन जाएगा और जो नहीं मानेंगे वो नहीं बनेंगे ।

बाबा के सीधे-सीधे सिद्धांत हैं- जैसी स्मृति-वैसी स्थिति। हमें व्यर्थ के इस तूफान से बचना है। व्यर्थ का तूफान बढ़ता ही जा रहा है आजकल। बहुतों को समझ ही नहीं आता है क्यों हो रहा है ये हमारे साथ। अगर ये भी समझ नहीं आएगा तो समाधान बिलकुल नहीं हो पाएगा। जिन्होंने जीवनभर व्यर्थ सुना है, जिनकी रुचि बातों में बहुत रही है, जीवन ईर्ष्या द्वेष में बिताया है वो अब व्यर्थ के शिकार हैं। जिन्होंने बाबा के पास आकर भी परचिंतन, परदर्शन में समय गंवाया है, जिन्होंने अपने को देखने के बजाय दूसरों को देखने में अनमोल समय बिता दिया वो अब व्यर्थ के शिकार होते जा रहे हैं।

जिसके बारे में दुनिया में कोई नहीं जानती, न जान सकती जब व्यर्थ द्वारा आत्मा कमज़ोर हो जाती है, मन कमज़ोर हो जाता है, तब भटकती आत्माएं भी प्रभाव डालने लगती हैं। जो पावरफुल है उनके पास नहीं आतीं, लेकिन जिन्होंने व्यर्थ के कारण अपने को बहुत निर्बल कर दिया ये आत्माएं प्रभाव डालती हैं।

व्यर्थ, ज्यादा सोचने से बीमारियां बहुत बढ़ रही हैं। हमारे हर संकल्प से एनर्जी पैदा होती है। बुरी संकल्पों से बुरी जो ब्रेन में जाती हैं और सबकुछ नष्ट करने लगती हैं। अच्छे संकल्पों से अच्छी एनर्जी और अच्छे संकल्प हमारे पास हैं। संसार में तो अच्छे संकल्पों का पता ही नहीं लोगों को। बस यही कह देते हैं पॉजीटिव सोचो पर क्या ये तो पता ही नहीं है। हर संकल्प से एनर्जी पैदा हो रही है। सबसे अच्छे संकल्प हैं स्वमान के। मैं विश्व कल्याणकारी हूं। हम विश्व कल्याणकारी हैं तो हमारे वाइब्रेशन, बोल, दृष्टि सब विश्व का कल्याण करेगी। अगर वाचा से हम दूसरों को दुख देते हैं तो हम अपने भी कल्याणकारी नहीं, विश्व के भी कल्याणकारी नहीं। स्वमान के संकल्पों को सबको बढ़ाना है।

उठते ही स्वमान दें...

विचार करें सभी हमारा अनमोल समय कैसे बीत रहा हैं। सवेरे ही अपने अंदर स्वमान भर दें बहुत सारे। आंख खुलते ही हमें यह देखना है हमारे संकल्प इधर-उधर न चले जाएं। अगर पहले मिनट में हमारे संकल्प इधर-उधर भटक गए तो कंट्रोल करना मुश्किल होगा। सवेरे उठते ही स्वमान की माला फेरना शुरू करो। मैं इस संसार में बहुत भाग्यवान हूँ।

मैं महान आत्मा हूं। मैं राजऋषि हूं। मैं शिव शक्ति हूं। मैं ईस्ट देवी हूं। मैं विश्व कल्याणकारी हूं। मैं विजयी रतन हूं। मैं विघ्न विनाशक हूं। मास्टर सर्वशक्तिमान हूं। मैं पूर्वज हूं। मैं परम पवित्र आत्मा हूं। धीरे-धीरे इसका नशा चढ़ेगा। दो चार स्वमान भी अगर याद आ गए तो उससे ऐसा नशा चढ़ेगा कि और सब संकल्प शांत हो जाएंगे। ये नशा आवश्यक है व्यर्थ को ख़त्म करने के लिए। हमारा ईश्वरीय नशा सदा के लिए मन को शांत कर देगा।

स्मृति स्वरूप है...

व्यर्थ सुनना, देखना, बोलना इनसे अपनेआप को बचाना है। स्वमान द्वारा समर्थ संकल्पों से अपने आप को भरपूर करना। ऐसा योग अभ्यास से हम दूसरों को मदद कर सके। जिसे सुबह योग करने में कठिनाई होती है वो शाम को बैठकर एक घंटा अच्छे से योग करें और अपने योग की प्लानिंग करें कि हम कैसे कर्मों में अच्छी स्मृतियों में रह सकते हैं। स्मृति स्वरूप होना ही योग युक्त होना है।

परिस्थितियों का सामना करने से बढ़ती है शक्ति

स्व प्रबंधन

बीके ऊषा
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

आध्यात्म हमें बुजदिल नहीं बनाती कि हर बार हमें ही सहन करना है, लेकिन यह ज्ञान होना भी आवश्यक है कि कब सहन करना है और कब सामना करना है। जब यह समझ नहीं होती है तब व्यक्ति सहन करने के बदले सामना करता और सामना करने समय सहन करके बैठ जाता है। इस कारण वह ज्यादा परेशानी में आ जाता है और कभी-कभी अपनी समस्याओं को और विकट बना देता है।

वास्तव में सहन व्यक्तियों को करना होता है और सामना परिस्थितियों का या समस्याओं का करना होता है। मनुष्य अपने जीवन में अक्सर यही गलती करता है कि व्यक्तियों का सामना करता है और परिस्थितियों को सहन करके हिम्मतहीन हो जाता है। उसका मुख्य कारण यही है कि व्यक्तियों से उसकी अनेक कामनाएं होती हैं और जब वह पूरी नहीं होती तब आवेश में आकर वह उनका सामना करके उन्हें भयभीत करके भगाना चाहता है। ताकि वह व्यक्ति उसकी कमज़ोरी को जान न लें और परिस्थितियों का सामना करने की हिम्मत इसलिए नहीं होती क्योंकि उसे यह भय सताता है कि अब यह परिस्थितियां उसकी कामनाओं को पूरा होने नहीं देंगी इसलिए वह उन परिस्थितियों से सहन करके भागना चाहता है या उनसे पलायन करना चाहता है।

तभी मनोचिकित्सकों ने मनुष्य की मुख्य वृतियों पर अधिक जिक्र किया है। एक है सामना करना, दूसरी है पलायन करना। व्यक्तियों को सहन करने का भाव यह है कि मान लो एक व्यक्ति ट्रेन से कहीं जा रहा है और उसने पहले से ही अपना आरक्षण करवा लिया है। लेकिन उसे यह पता नहीं कि दिन के समय सीट आरक्षित नहीं रहती है। लोग जब उसे लेटे हुए देखते हैं उठाने लगते हैं। अब वह व्यक्ति आवेश में आकर उनके द्वारा अपशब्दों के जवाब में अपशब्दों कहता है। धीरे-धीरे बात बिगड़ जाती है और हाथापाई तक आ जाती। इस घटना के दूसरे पहलू पर नजर डालें तो यह बात इतनी क्यों बिगड़ी, क्योंकि उसके मन में यही भावना होती कि यह सीट मेरी है। यह 'मेरे' की कामना से जो लगाव हो जाता और उस भावना को जब कोई स्वीकार नहीं करता है तो वहां सहन करने की जगह उसने सामना किया। सामना करके अपशब्दों का जवाब उसी रूप में दे दिया। अब यदि वह वहां अपशब्दों को सुनने के बाद भी शांत हो जाता तो बात इतनी बिगड़नी ही नहीं थी। लेकिन उसका सामना करने से बात बिगड़ गई। यह भी नहीं है कि हर बार हमें ही सहन करना है परन्तु व्यक्ति को, हालात को परखते हुए सहन करना है या सामना करना है। इसकी शक्ति को विकसित करने की जरूरत है।

प्राण जाएं पर चरित्र न जाए...

जैसे- एक दुकान में कुछ लोग दुकान में घुस आते हैं। अब उस दुकानदार को इस परिस्थिति में परखना है कि ये लोग क्या चाहते हैं। अगर वह धन चाहते हैं तो उसकी एक दिन की कमाई ही ले जाएंगे तो वहाँ सामना करने के बजाय एक दिन की कमाई के नुकसान को सहन करके अपनी जान को जोखिम में नहीं डालना चाहिए यही समझदारी है। परन्तु कभी-कभी व्यक्ति एक दिन की कमाई बचाने के लिए सामना करता है और जान गंवा देता है और कमाई को भी। लेकिन अगर वह व्यक्ति उससे कोई गलत काम कराना चाहते हैं जिससे उसके चरित्र पर दाग लग सकता है, तो ऐसी स्थिति में प्राण जाएं, परन्तु चरित्र न जाए। ऐसी स्थिति में सामना ही करना है न कि सहन करके अपने चरित्र को दागी बना देना है। अन्यथा जीवन भर इज्जत से जी नहीं पाएगा और न ही उस पाप के बोझ को उठा पाएगा। सहनशक्ति और सामना करने की शक्ति के बीच परखकर यथार्थ निर्णय लेने की बहुत आवश्यकता है। उसके लिए समझदारी के साथ साहस या निर्भयता का गुण होना चाहिए। इस बात को निम्नलिखित उदाहरण से समझा जा सकता है:-

मन लोगों के प्रति धन्यवाद के भाव से भरा रहे तो शांत रहेगा

आध्यात्म की उड़ान

डॉ. बीके सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

माफ करो और भूल जाओ (फ़ॉरगेट एंड फ़ॉरगिव): ऐसे बहुत लोग हैं जिनको हमने धोखा दिया, कटु वचन बोले, अपशब्द बोले, इन्सल्ट की, बहुत दुःख दिया उनसे मनसा से माफी मांगनी है। ये दो काम रोज सुबह करने हैं। ये कार्य अपने मन में चालू करेंगे कि वो सब लोग मेरी आंखों के सामने हैं या वो एक व्यक्ति उससे हमें रोज माफी मांगनी है या उसे हमें रोज माफ करना है, यह दो काम दिनचर्या में लाने हैं। जब तक हम उससे माफी नहीं मांगेंगे क्योंकि जिस तरह का व्यवहार हमने उनसे किया था भले ही हमारा अहंकार स्वीकार नहीं करता है कि हमने गलती की पर हमें अंदर पता है कि गलती थी और हमारी थी।

शुक्रिया (ग्रैटिट्यूड): शुक्रिया करना उन लोगों का जो हमारे साथ रहते हैं, जिन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया। क्या कभी हमने उन्हें धन्यवाद कहा, कभी उनसे कहा आपने जो कुछ हमारे लिए किया है हम बहुत तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। सबका धन्यवाद। मन धन्यवाद के भाव से भरा रहे। धन्यवाद में सकारात्मक ऊर्जा है, जैसे ही हम धन्यवाद कहते हैं मन शांत हो जाता है, स्थिर हो जाता है।

आदत (हैबिट्स): ऐसी कुछ आदतें निर्माण करना है जो मुझमें नहीं हैं और उस पर काम करना है। जल्दबाजी, झूठ, धोखा देने, हड़बड़ी आदि संस्कारों, आदतों पर काम करना हैं। जब तक हम अपने आप को स्टडी नहीं करते तो वहां कोई खुशी नहीं हो सकती। परिवर्तन के लिए एक सेकंड काफी है।

उत्सुकता: मन में प्रश्न उठने चाहिए। उत्सुकता हो ये कौन सा स्थान है, ये कहां आ गए हम।

आंतरिक यात्रा (इंटरनल जर्नी): आंतरिक यात्राएं करनी हैं। बाहर की यात्राएं बहुत कर ली। अब अंतर्मन की यात्रा करनी है। कौन से कोने में कौन सा अंधकार, बदले का भाव, नफरत, कमजोरी, विकार अंदर छिपा है उसे देखना है।

केंद्रित रहना: वर्तमान में ध्यान रखना है। अतीत में जो हुआ हुआ, भविष्य अभी आया नहीं है। बहुत अतीत में जी लिया, बहुत भविष्य में जी लिया, अब समय है अबका। हमारे मन में 24 घंटे कौन से विचार चालू रहते हैं।

खुद से प्यार करें: अपने आप से प्रेम करना है। हमें हमेशा बताया जाता है दूसरों से प्रेम करें, लेकिन हम अपने आप से प्रेम करते हैं, शायद नहीं। स्वयं को भी माफ करना है, खुद से प्यार करना है, अपने आप को ही उत्साहित करना है। स्वयं से प्रेम करना अर्थात खुश रखना।

प्रकृति (नेचर): प्रकृति में जाना है, प्रकृति का संगीत सुनना है। झरने, पहाड़ियां, सौंदर्य, नदी। केवल मनोरंजन न हो जाए उसमें छिपी आलौकिकता को पढ़ना है। प्रकृति के सानिध्य में जाना है, समय निकालना है आधा घंटा।

अवलोकन: सूक्ष्म अवलोकन करना है हर चीज़ का। हर चीज़ का अवलोकन करो कैसे हर काम हो रहा है।

पॉजिटिव थिंकिंग: निगेटिव से निगेटिव परिस्थिति में पॉज़िटिव कैसे सोचें। सबसे खराब स्थिति में भी कुछ न कुछ पॉजिटिव छिपा हुआ है, उसे ढूंढ़ना पड़ेगा।

आदत छोड़ना: लंबे समय से चल रही ऐसी आदत दो खुद को और दूसरों दुख दे रही है, उस पर काम करना है। उसे छोड़ना है।

विश्राम तकनीकें: राजयोगा सबसे बड़ी विश्राम तकनीक है।

मौन और एकांत: व्यस्त दिनचर्या में एकांत को ढूंढ़ना है। जहां आवाज़ ही आवाज़ है वहां मौन को ढूंढ़ना है। दिनचर्या में कुछ समय ऐसा निकालना है जहां मौन में रह सकें, अपने साथ रह सकें, कोई आस पास न हो।

भारतीय संस्कृति के रंग में रंगे रशियन कलाकार

शिव आमंत्रण, दिल्ली।

ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राष्ट्रपति भवन में स्वर्णिम भारत की स्वर्णिम संस्कृति विषय पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ के रशिया सेंट पीटर्सबर्ग से पधारे कलाकारों ने देशभक्ति गीतों पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। विदेशों कलाकारों द्वारा भारतीय संस्कृति की झलक देख सभी भाव-विभोर हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कलाकारों की हौसला आफजाई की। सभी प्रस्तुतियां सेंट पीटर्सबर्ग रशिया में ब्रह्माकुमारीज़ की डायरेक्टर बीके संतोष दीदी के मार्गदर्शन में हुईं। इस मौके पर विशेष रूप से ओआरसी गुरुग्राम की डायरेक्टर बीके आशा दीदी सहित राष्ट्रपति भवन का स्टाफ मौजूद रहा।

खुशी हमारा वास्तविक स्वभाव है: शिवानी दीदी

शिव आमंत्रण, दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज़ हस्तसाल सेंटर द्वारा दिल्ली के सेंट्रल स्कूल, विकासपुरी में 'शांति, खुशी और जीवन में सफलता' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने कहा कि खुशी हमारा वास्तविक स्वभाव है। जब हमारा मन शांत और स्थिर होता है, तब वह स्वस्थ अवस्था में होता है और मन का स्वास्थ्य ही सुख है। हस्तसाल सेंटर की निदेशिका बीके भावना दीदी, करोलबाग जोन की निदेशिका बीके पुष्पा दीदी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में तीन हजार लोगों ने भाग लिया।

संपूर्ण पवित्रता अपनाकर खुशहाल जीवन बनाएं : बीके वंदना दीदी

शिव आमंत्रण, सीतामढ़ी/बिहार।

पुरानी एक्सचेंज रोड ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें सीतामढ़ी नगर निगम के डिप्टी मेयर आशुतोष कुमार ने कहा कि बीती को भुलाकर, उससे शिक्षा लेकर हमें वर्तमान में जीना चाहिए। होली पर परमात्म स्नेह का पक्का रंग लगाना चाहिए। सेवाकेंद्र संचालिका बीके वंदना दीदी ने भाई-बहनों के आत्मिक स्मृति का तिलक लगाकर परमात्म प्रेम के रंग में रंगने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि होली का पहला अर्थ है, अब तक जीवन में जो कुछ भी घटना घटित हुई है, उसे अग्नि को स्वाहा कर देना है। दूसरा अर्थ है, जीवन में संपूर्ण पवित्रता, जिसके अंतर्गत काम, क्रोध, लोभ व अहंकार आदि को बिल्कुल स्वाहा कर खुशहाल जीवन बनाना है। तीसरा है, परमात्मा से हुई दूरी को निकटता में परिवर्तित करना यानी परमात्मा का होना। ई. राजकिशोर नारायण यादव, रामबाबू, सुमन भाई, रेणु, रिंकू बहन, महेश, शत्रुघ्न सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

खुशियां आपका इंतजार कर रहीं हैं...

नीमच में अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने दस हजार की सभा को किया संबोधित

शिव आमंत्रण, नीमच/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'पावन धाम' के समीप पुरानी नगर पालिका मैदान में खुशियां आपका इंतजार कर रही हैं विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दस हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी ने कहा कि पैसे कमाने के चक्कर में आज व्यक्ति के पास खुद के लिए समय नहीं है। धन कमाना अच्छा है किन्तु अंत समय साथ में जाने वाला आध्यात्मिक धन तो कमा नहीं पा रहे।

शिवानी दीदी ने पूरी सभा को इतना तल्लीन कर दिया कि दो घंटे से अधिक समय तक 10 हजार से अधिक की सभा में कोई अपने स्थान से एक बार भी नहीं उठा। शिवानी दीदी ने शक्तिशाली संकल्पों के विचार देकर हरेक को सुख-शांति की बहुत गहरी अनुभूति कराई। पुलिस बल व्यवस्था संचालन के लिए खड़ा था वो शांतचित्त और चकित होकर देख रहे थे कि कैसे हजारों लोग बिना किसी निर्देश, बिना किसी हलचल के ध्यान, मौन, साधना की स्थिति में कतारबद्ध होकर निकल रहे थे। कार्यक्रम के संयोजक बीके सुरेन्द्र से अधिकारियों ने यही प्रतिक्रिया व्यक्त की कि हमारे लिए तो कोई काम ही नहीं था।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, रायपुर/छग। छत्तीसगढ़ की निवर्तमान राज्यपाल सुश्री अनुसूईया उइके को मणिपुर का राज्यपाल बनाए जाने पर उन्हें ब्रह्माकुमारीज के शिव शक्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर की ओर से रायपुर केंद्र की संचालिका बीके सविता दीदी, बीके वनीसा दीदी और बीके हीरेंद्र भाई ने मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं।

शिव आमंत्रण, कुन्हाड़ी कोटा/राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज के कुन्हाड़ी स्थित शक्ति सरोवर में स्वर्णिम समाज अभियान का उद्घाटन किया गया। इसमें माउंट आबू से बीके अवतार भाई , बीके हरीश भाई, बीके कीर्ति भाई और बीके वीरेंद्र भाई पधारे थे। इस दौरान उप महापौर पवन मीना, संभाग प्रभारी बीके उर्मिला दीदी, डॉ. आरसी साहनी, इस्कॉन के मोटिवेशनल स्पीकर अनिता राजावत, योग गुरु डॉ. विपुल खंडेलवाल आदि उपस्थित थे।

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र/हरियाणा। विश्व शांति धाम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर विशेष रूप से प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. अनीता दुआ, बीके सरोज दीदी, प्रो. निर्मला चौधरी, कांग्रेस महिला अध्यक्ष निशि गुप्ता, बी के शिवाली दीदी ने अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, पठानकोट/पंजाब। ढांगू रोड स्थित राजयोग केंद्र में महिला दिवस पर केन्द्र प्रभारी बीके सत्या की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मिलिट्री हॉस्पिटल की मेजर डॉ. वंदना संबोधित किया। ब्रह्माकुमारी गीतांजलि ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा शांति का अनुभव कराया। कुमारी शिल्पा और स्नेहा ने नृत्य पेश किया। अनीता अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, डॉ गौरव, पवन चड्ढा, कमलेश, पूरनलाल आदि मौजूद थे।

शिव आमंत्रण, बहल(हरियाणा)। प्रहलाद राय चौधरी की चतुर्थ पुण्यस्मृति पर भारत विकास परिषद व बहल युवा एकता संगठन द्वारा स्वास्थ्य शिविर उपायुक्त मनोज दलाल द्वारा आयोजित किया गया। इसमें बहल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शकुन्तला बहन को प्रमुख समाज सेविका के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हमारी प्रैक्टिकल लाइफ में हो ज्ञान

शिव आमंत्रण, राजा पार्क (जयपुर)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ राजापार्क सबजोन के महिला प्रभाग द्वारा भारतीय विद्या भवन महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक बीके शारदा दीदी ने कहा कि ज्ञान हमारी प्रैक्टिकल लाइफ में होना चाहिए। लाइफ की जर्नी में इंटरनल वर्ल्ड और आउटर वर्ल्ड दोनों हैं। यदि मेरा इंटरनल वर्ल्ड स्ट्रांग एंड पॉवरफुल है तो इनर क्वालिटीज़, इनर ब्यूटी है। जयपुर सबजोन इंचार्ज बीके पूनम दीदी ने कहा कि सब को आप जोड़ कर रखते हो यह आप में गुण है क्योंकि आप में सहनशीलता, मधुरता, विनम्रता, पवित्रता

ये प्रभु की देन आपके पास है इसको बनाए रखना। विधायक आदर्श नगर रफीक खान ने कहा कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में लेने की नहीं देने की भावना सिखाई जाती है। यहां बहनें जो उपदेश देती हैं वह उसे खुद भी धारण करतीं हैं। जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, दूरदर्शन केंद्र उपनिदेशक मंजू मीणा, राजस्थान की पहली महिला बॉडी बिल्डर प्रिया सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन सोडाला सेवाकेंद्र इंचार्ज ब्रह्माकुमारी स्नेहा दीदी ने किया।

शिपिंग विंग का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

शिव आमंत्रण, अनंतपुर/कटक। ब्रह्माकुमारीज़ के शिपिंग एविएशन टूरिज्म विंग द्वारा दया और करुणा की ओर यात्रा पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें कटक की उप-क्षेत्र प्रभारी बीके कमलेश दीदी, विंग की उपाध्यक्ष मीरा दीदी, नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुलोचना दीदी, भुवनेश्वर उपक्षेत्र प्रभारी बीके लीना दीदी, वरिष्ठ राजयोगी बीके नथमल, माउंट आबू से बीके संतोष मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नारी अपनी शक्तियों को पहचानें : बीके सविता दीदी

शिव आमंत्रण, इंदौर/मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के अग्रवाल नगर स्थित सेवाकेंद्र पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता दीदी ने नारी शक्ति से आह्वान करते हुए कहा कि नारी में अपार शक्तियां मौजूद हैं, जरूरत है तो उन्हें पहचानने की। परमात्मा ने नारी को दिव्य गुण, विशेषताओं से नवाजा है। लेकिन आज हमने उन्हें भुला दिया है। ब्रह्माकुमारीज़ नारी के उत्थान का सबसे अनोखा उदाहरण है।

विशेष सेवाओं पर बीके दीपा दीदी सम्मानित

शिव आमंत्रण, हल्द्वानी लोहरियासाल मल्ला/उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके दीपा दीदी को सौहार्द्र, जन सेवा समिति द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं पर सम्मानित किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिल्पी जोशी, सौहार्द्र जन सेवा समिति की संस्थापक विद्या महतोलिया ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया।

बीके आदर्श दीदी को मिला ग्वालियर चंबल संभाग गौरव रत्न सम्मान

ग्वालियर (मप्र)। राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ द्वारा ग्वालियर चंबल संभाग गौरव रत्न सम्मान समारोह नगर निगम के बाल भवन में आयोजित किया गया। इसमें मेरा ग्वालियर व्यसन मुक्त ग्वालियर अभियान चलाकर हजारों लोगों को नशे से दूर रहने की शिक्षा देने पर ब्रह्माकुमारीज़ लश्कर सेवाकेंद्र संचालिका बीके आदर्श दीदी को 'ग्वालियर चंबल संभाग गौरव रत्न सम्मान दिया गया। सम्मान मप्र के ऊर्जा मंत्री प्रदुम्न सिंह तोमर, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ द्वारा दिया गया।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

आत्मग्लानि और आत्म सम्मान

शिव आमंत्रण, आबू रोड। पश्चाताप, पछतावा, आत्मग्लानि। यह जीवन का वह स्याह पक्ष है जिसकी कालिमा यदि अंतर्मन के सागर में समा जाए तो आत्मा की शक्तियों को क्षीण कर निस्तेज कर देती है। जीवन और गलतियां एक दूजे के पूरक हैं। इस दुनिया में जो जितना महान हुआ है उसने उतना ही संताप झेला है। लेकिन उस संताप से उपजी सीख और अनुभव को शक्ति बनाकर वही मनुष्य विश्व पटल पर सूर्य की तरह चमके भी हैं।

सवाल यह है कि हम जीवन में होने वाली गलतियों, नादानियों से क्या सीख लेते हैं? आत्मग्लानि को आत्म सम्मान में कैसे बदलते हैं? यह चिंतन का विषय है। इसके लिए हमें मन की पृष्ठभूमि पर काम करना होगा। जब तक हम अपनी भूलों, कमजोरियों को गहराई में जाकर पोस्टमार्टम नहीं करेंगे तब तक उनमें छिपे सूक्ष्म भाव को महसूस नहीं कर सकते हैं। आज युवा पीढ़ी के निस्तेज और निर्बल मुखमंडल होने का मूल कारण उसके अंतर्मन में छिपा आत्मग्लानि का भाव है। किशोरावस्था, युवावस्था में हुई जघन्य भूलों को कई बार व्यक्ति ताउम्र भूल नहीं पाता है। वह कचरे के ढेर की तरह उन्हें बार-बार चित्त पर लाकर कुरेदता रहता है। नतीजे के रूप में पश्चाताप की आग में आत्मा की शक्तियां निस्तेज हो जाती हैं। मन निर्बल और शक्तिहीन हो जाता है। उसका तेज, आभा और चमक खो जाती है। आध्यात्म प्रेमियों के लिए आत्मग्लानि अंतिम संस्कार के समान है। आत्मावलोकन और एकांत का अभाव, आत्मिक स्मृति की विस्मृति से यह मर्ज और बढ़ जाता है।

आत्म सम्मान से होकर गुजरता है महानता का रास्ता...

आत्म सम्मान, आत्म विश्वास जीवन में महानता और शिखर पर ले जाने की सीढ़ी है। सबसे पहले हमें बुद्धि और अंतर्मन के आकाश में खुद की छवि को श्रेष्ठ और महान आत्मा के रूप में अंकित करना होगा। एक उज्जवल छवि को आकार देना होगा। क्योंकि जब तक स्वयं ही स्वीकार नहीं करेंगे कि वास्तव में मैं दिव्य आत्मा हूं, महान आत्मा हूं, श्रेष्ठ आत्मा हूं, शक्तिशाली आत्मा हूं, सतयुगी आत्मा हूं, देवकुल की आत्मा हूं तब तक आत्म सम्मान का भाव जागृत नहीं होगा। जिस दिन हमारे अंतस ने यह स्वीकार कर लिया तो हम खुद को श्रेष्ठ और महान आत्मा की स्मृति में महसूस करने लगेंगे। परिवर्तन का आधार ही महसूसता है। ज्ञानेन्द्रियां और चेतना जब सुखद अनुभूति करती हैं तब जीवन में आनंद की अवस्था आती है। आनंद सर्वोच्च अवस्था है। इस प्रक्रिया में बुद्धि का सबसे महत्वपूर्ण और अहम योगदान है। क्योंकि परिवर्तन की शुरुआत बुद्धि द्वारा सही-गलत में भेद की महसूसता के साथ ही होती है। आत्म सम्मान से भरे व्यक्तित्व की आभा और ओज खुद के साथ दूसरों को भी महसूस होती है।

अपनी विशेषताओं और खूबियों को पहचानें...

सबसे महत्वपूर्ण प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी विशेषताओं और खूबियों की पहचान होना जरूरी है। जब तक हमें यह मालूम नहीं होगा कि मेरे अंदर अमुख विशेषता है तो हम उसे और निखार नहीं सकते हैं। हमारी विशेषता ही दूसरों से अलग करती है। विशेषता को पहचानकर उसे जितना निखारते जाते हैं तो आत्म सम्मान का भाव बढ़ने के साथ आत्म विश्वास जागृत हो जाता है। इससे आत्मा की सोईं शक्तियां पुनः जागृत होने लगती हैं। यहां जरूरी है कि खुद की खूबियों पर गर्व करें, इससे जहां संतोष का भाव रहेगा, वहीं बुद्धि श्रेष्ठ चिंतन में बिजी होने से परचिंतन से बच जाएगी। विशेषता की स्मृति से उमंग-उत्साह बढ़ता है और जीवन में कुछ नया करने, आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अंतर्मन से आवाज आती है कि हां, मैं अमुख कार्य कर सकता हूं। मन में उपजा यही भाव व्यक्तित्व में चार चांद लगा देता है। यदि जीवन आत्म सम्मान से भरपूर है तो उसकी परिणीति परमानंद की अवस्था है।

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है।
वार्षिक मूल्य 150 रुपए, तीन वर्ष 450 रुपए
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960

Scan To Pay

राष्ट्रीय सम्मान समारोहः ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों का किया सम्मान

राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को द संत ऑफ मॉडर्न इंडिया अवार्ड से किया सम्मानित

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर, डायमंड हॉल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों को चार कैटेगिरी में अवार्ड प्रदान किए गए। समाज कल्याण, समाज सुधान और आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने, जन-जन को विश्वभर में आध्यात्मिकता और राजयोग मेडिटेशन के प्रति अलख जगाने पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को पुणे के सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट्स द्वारा द संत ऑफ मॉडर्न इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पुणे के सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट्स के डॉ. संजय चौरडिया और सुषमा चौरड़िया ने कहा कि आज दादी जी को यह अवार्ड प्रदान करते हुए बेहद खुशी और आनंद की अनुभूति हो रही है। खुद को भाग्यशाली समझ रहा हूं कि दादीजी को यह अवार्ड प्रदान किया। दादीजी आज लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान उन्होंने दादी जी को शॉल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर अवार्ड प्रदान किया। वहीं संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी और हिल्लोक ग्रुप की डायरेक्टर गीता अग्रवाल को सूर्यभूषण नेशनल अवार्ड प्रदान किया गया।

इन्हें नेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

सम्मान समारोह में अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बीके प्रताप मिड्ढा और मेडिकल विंग के सचिव राजयोगी डॉ. बीके बनारसी लाल भाई को नेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। स्त्री शक्ति नेशनल अवार्ड से ग्लोबल हॉस्पिटल की वेलनेस एक्सपर्ट बीके सुजाता बहन को नवाजा गया। इस दौरान संस्थान की ओर से बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने चौरड़िया दंपति का भी राजस्थानी पगड़ी, शाल पहनाकर सम्मान किया। संचालन मुलुंद नगर पुणे की संचालिका बीके सरिता बहन ने किया।

सद्भावना और उदारता का जीता जागता उदाहरण है ब्रह्माकुमारीज़

आचार्य श्रीमहाश्रमण

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन में शुक्रवार को संत स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तेरापंथ संप्रदाय के आचार्य श्रीमहाश्रमण मानिषी अपने मंडली के साथ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डायमंड हॉल में राजस्थान के प्रदेशभर से पधारे लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जीवन दो तत्वों का योग है। एक तत्व है आत्मा दूसरा तत्व है शरीर। आत्मा और शरीर का मिश्रित हमारा जीवन है। जहां सिर्फ आत्मा है शरीर नहीं है वहां जीवन नहीं हो सकता।

> ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन पहुंचे आचार्य श्रीमहाश्रमण मानिषी तेरापंथ

आचार्यश्री ने कहा कि पिछले कई सालों से ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सदस्य हमारे पास आते रहे हैं, लेकिन आज हम ब्रह्माकुमारीज़ परिवार में आ गए हैं। ऐसे तो कई सेंटर पर गया हूं लेकिन मुख्यालय में आने का पहली बार सौभाग्य मिला। मैं अपने जैन धर्म में सद्भावना की बात करता हूं, लेकिन सद्भावना का जीता जागता उदाहरण ब्रह्माकुमारीज़ के भाई-बहनों के अंदर पाता हूं। आप लोग काफी उदारता के साथ मिलते हैं, बात करते हैं, साथ में उपहार लेकर भी आते हैं। उदारता की मिसाल ब्रह्माकुमारी भाई-बहन हैं। हमारे गुरुदेव कभी बहुत पहले माउंट आबू पधारे थे, उनकी कृपा से आज मुझे भी सौभाग्य मिला है।

भारतीय परंपरा ऋषि परंपरा रही है- साध्वीजी

साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा ने कहा कि राजयोग में भी आध्यात्म और ध्यान पर अधिक बल दिया गया है। ब्रह्माकुमारी बहनें ध्यान के द्वारा अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं। जैन परंपरा में भी ध्यान को अधिक महत्व दिया गया है। प्रेक्षा ध्यान की पद्धति आज भी हमारे जैन धर्म में चल रही है। इसमें अनेकों लोगों को अनुभव रहा है कि ध्यान के माध्यम से हम शांति प्राप्त कर सकते हैं और अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं। प्रेक्षा ध्यान से अनेक लोगों ने अपने जीवन को रुपांतरित किया है। जितना हम ध्यान करेंगे उतना हमारी भीतर की ज्योति प्रकट होती जाती है। आचार्यश्री के शिष्य ने कहा कि अब तक बहनों आचार्यश्री से मिलने आती थीं लेकिन आज आचार्यश्री खुद आज बहनों के घर में आ गए हैं। जिस उद्देश्य के साथ शांति और सद्भावना के लिए आचार्यश्री समर्पित रूप से जुटे हैं उसी उद्देश्य को लेकर ब्रह्माकुमारी बहनों भी सेवा में समर्पित हैं। जैसे ब्रह्माकुमारी बहनें अमृतवेला में सुबह चार बजे उठते हैं वैसे ही आचार्यश्री भी सुबह 4 बजे उठ जाते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ का मैनेजमेंट, साफ-सफाई सीखने लायक

केंद्रीय रेलवे सेवा समिति ने किया शांतिवन का भ्रमण

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन परिसर, मनमोहिनीवन, आनंद सरोवर, तपोवन से लेकर सोलार का भ्रमण करने केंद्रीय रेलवे सेवा समिति की टीम पहुंची। इस दौरान टीम के सदस्यों ने शांतिवन के मैनेजमेंट, साफ-सफाई से लेकर ब्रह्माकुमारीज़ के मैनेजमेंट की जमकर सराहना की।

समिति में शामिल भजनलाल शर्मा ने बताया कि पहली बार शांतिवन भ्रमण का मौका मिला। यहां की व्यवस्थाएं अद्भुत हैं। बहुत कुछ यहां सीखने लायक है। हर चीज बहुत ही व्यवस्थित तरीके से बनाई गई है। इसके अलावा शांतिवन में बीके भाई-बहनें का संयमित रहन-सहन मन को भाने वाला लगा। समिति के अभिजीत दास ने कहा कि

शांतिवन का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है। ब्रह्माकुमारीज़ का किचन बहुत ही हाईटेक तरीके से बनाया गया है। इसमें भोजन बनाते समय पूरी साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता है। साथ ही इसमें जो सोलार ऊर्जा का उपयोग किया जाता है यह ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बहुत ही सराहनीय कार्य है। वहीं सोलार में देशी तकनीक से बनाई गई सैलर पैनल के बारे में बहुत ही गहराई से तकनीकी जानकारी ली। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, बीके शिविका बहन ने समिति के सभी पदाधिकारियों का शॉल पहनाकर और मोमेंटो भेंटकर सम्मान किया। भ्रमण के दौरान विचित्र नारायण, कैलाश वर्मा, छोटू भाई पाटिल, दिलीप मलिक सहित स्थानीय रेलवे समिति के सदस्य मौजूद रहे।

■ RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021-23, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Feb 2023
■ स्वामीः राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ■ प्रकाशक, संपादक व मुद्रक : ब्र.कु. कोमल द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कार प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित ■ संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र